www.dainikjayantnews.com
कोटद्वार, गुरूवार
10 सितम्बर 2026
वर्षः 49
अंकः 126 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

जम्मू-कश्मीर में हिजबुल मुजाहिदीन का मददगार गिरफ्तार

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में सुरक्षा बलों ने बुधवार को हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े पूर्व आतंकी मंजूर अहमद भट को गिरफ्तार किया। उसके पास से चीन में बनी पिस्तौल, 2 मैगजीन और 16 गोलियां बरामद हुईं। पुलिस के मुताबिक, मंजूर पहले भी 2 मामलों में गिरफ्तार हो चुका है। वह संगठन के लिए आतंकी गतिविधियों में मदद करने के साथ हथियार उपलब्ध कराने का काम करता था। पुलिस को हंदवाड़ा-कुपवाड़ा इलाके में हिजबुल से जुड़े एक मॉड्यूल के सक्रिय होने की सूचना मिली थी। इसी आधार पर सुरक्षा बलों ने कार्रवाई कर उसे पकड़ा।

24 अगस्तः जम्मू-कश्मीर के शोपियां में 6 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार- शोपियां में गिरफ्तार तीन संदिग्ध आतंकियों के पास से 2 हैंड ग्रेनेड और हिजबुल मुजाहिदीन के 5 पोस्टर मिले थे। शोपियां में गिरफ्तार तीन संदिग्ध आतंकियों के पास से 2 हैंड ग्रेनेड और हिजबुल मुजाहिदीन के 5 पोस्टर मिले थे।

असम में अफसर ने सीएम-मंत्रियों की आवाज से करोड़ों ठगे

जिला विकास अधिकारी के पद पर है, सरकार ठेका और नौकरी दिलाने के नाम पर वसूली करता

गुवाहाटी (एजेंसी)। नीली शर्ट में आरोपी देवेश्वर बोरा है। असम सीएम विजिलेंस ने मंगलवार को उन्हें गिरफ्तार किया।

असम में राज्य सिविल सर्विस के एक अफसर पर करोड़ों रुपए की ठगी के आरोप लगे हैं। आरोपी देवेश्वर बोरा धेमाजी जिला विकास अधिकारी (डीडीओ) के पद पर हैं। शिकायत के मुताबिक, उन्होंने सरकारी ठेका, नौकरी और शराब की दुकान का लाइसेंस दिलाने के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपए ठगे।

सीएम विजिलेंस ने बोरा को मंगलवार को गिरफ्तार किया। जांच में सामने आया है कि ठगी का सिलसिला साल 2011 से चल रहा था। जांच के दौरान सीएम हिमंत बिस्वा सरमा सहित कई बड़े नेताओं और मंत्रियों की आवाज की नकल कर लोगों को फोन करवाने की बात भी सामने आई है।

विजिलेंस के अनुसार, बोरा ने एक व्यक्ति से रू. 2 करोड़ और दूसरे से 50 लाख लिए। उन पर राजनीतिक नेता रमेन बरठाकुर से भी 50 लाख रिश्वत मांगने का आरोप है। इसके अलावा सरकारी बंगले की मरम्मत कराने के बाद ठेकेदार को भुगतान नहीं करने की शिकायत भी सामने आई है। मामले में पीड़ितों की संख्या बढ़ने का अनुमान है।

बड़े नेताओं की आवाज में फोन कर जीतता था भरोसा- सीएम विजिलेंस की एसएसपी रोजी कलिता के मुताबिक, बोरा लोगों को अपनी ऊंची पहुंच का भरोसा दिलाता था। पीड़ितों ने जांच के दौरान बताया कि बोरा उन्हें बड़े नेताओं और मंत्रियों से फोन पर बात करवाता था।

आरोप है कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई, मुख्य सचिव और दूसरे बड़े नेताओं-मंत्रियों की आवाज की नकल कर फोन किए जाते थे। इससे लोगों को लगता था कि बोरा की सत्ता के बड़े लोगों तक सीधी पहुंच है और वह उनका काम करवा सकता है।

संक्षिप्त

नितिन नवीन बोले-

पीएम ने युवाओं को निराशा से निकाला

नई दिल्ली(एजेंसी)। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को कहा कि पीएम मोदी के सत्ता संभालने के समय देश में निराशा का माहौल था, लेकिन उनके नेतृत्व में युवाओं को इससे बाहर निकाला गया। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार के नेतृत्व में 25 करोड़ गरीब परिवार गरीबी से बाहर आए और भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी।

भाजपा अध्यक्ष ने ये बातें बुधवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहीं। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस पीएम मोदी के मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर 25 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित की गई थी। मोदी 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के सीएम बने थे। वे 26 मई 2014 को प्रधानमंत्री बने थे। पीएम ने लक्ष्य को उपलब्धियों में बदलाः नितिन नवीन ने कहा कि पिछले 25 साल में प्रधानमंत्री ने 'जनसेवा से राष्ट्रसेवा' के मंत्र पर काम किया। मोदी ने शुरुआत में जो लक्ष्य तय किए, उन्हें संकल्प बनाया और उन्हें उपलब्धियों में बदला। 25 सालों में उनकी यात्रा एक सामान्य कार्यकर्ता से 'प्रधान सेवक' तक पहुंची है। यह स्पष्ट सोच और मजबूत संकल्प का नतीजा है। भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी- नवीन ने कहा- जब प्रधानमंत्री ने देश की कमान संभाली, तब हर तरफ निराशा और अंधकार का माहौल था।

राहुल गांधी ने मोबाइल पर मंत्री को टूटी सड़कें दिखाईं

- रायबरेली में अफसरों से पूछा- सरकार पैसे दे रही तो काम क्यों नहीं हो रहा?

रायबरेली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने रायबरेली में बुधवार को बैठक में कैबिनेट मंत्री मनोज पांडेय को अपने मोबाइल पर टूटी सड़कें दिखाईं। राहुल ने डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोऑर्डिनेटिंग कमेटी (दिशा) की मीटिंग में जर्जर सड़कों और गड्ढों की तस्वीरें दिखाकर पीडब्ल्यूडी अधिकारियों और डीएम

से पूछा कि सड़कों की हालत ऐसी क्यों है? राहुल ने कहा कि जब सरकार फंड दे रही है तो काम क्यों नहीं हो रहा है? आप लोग क्या कर रहे हैं? इस मीटिंग में ऊंचाहार से बीजेपी विधायक मनोज पांडेय, एमएलसी और राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह भी मौजूद थे। कलेक्ट्रेट में करीब ढाई घंटे बैठक से पहले राहुल ने सुबह जनता दरबार लगाया, जहां महिला कांग्रेस नेता ने उन्हें राखी बांधी। राहुल यहां सपा नेताओं ने भी मुलाकात की। राहुल लखनऊ रवाना हो गए हैं, जहां से वे दिल्ली जाएंगे। 2024 में सांसद बनने के बाद राहुल का यह 8वां रायबरेली दौरा था। इससे पहले वे 19-20 मई को दो दिवसीय दौरे पर आए थे।

बिहार में 8 नदियां उफान पर

14 जिलों में बाढ़,40 लाख लोग प्रभावित

यूपी के 3 जिलों में स्कूल बंद, उत्तराखंड के पौड़ी में लैंडस्लाइड; एमपी में बारिश थमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार में गंगा समेत 8 नदियां उफान पर हैं। राज्य के 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इससे करीब 35.89 लाख लोग प्रभावित हैं। कोसी, गंडक और घाघरा नदियां लाल निशान से ऊपर बह रही हैं। सारण में माही नदी पर बना जमींदारी बांध टूटने से स्थिति गंभीर हो गई है। उत्तर प्रदेश में बारिश के चलते लखीमपुर और बरेली में कक्षा 8 तक के सभी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है। वाराणसी में प्री-प्राइमरी से कक्षा 5 तक के सभी स्कूल बंद रहेंगे, जबकि कक्षा 6 से 12 तक के स्कूल सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेंगे। आज वाराणसी और प्रयागराज समेत 23 जिलों में बारिश का अलर्ट है।

उत्तराखंड के पौड़ी में लैंडस्लाइड के कारण घरों और दुकानों में दरारें आ गई हैं। पहाड़ी जिलों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

इधर, मध्य प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर 3 दिन का ब्रेक लिया है। मौसम विभाग, भोपाल ने 11 सितंबर तक प्रदेश में कहीं भी भारी बारिश का अनुमान नहीं जताया है।

बिहार में बाढ़ से 40 लाख लोग प्रभावित- बिहार में पिछले 5 दिनों से हो रही तेज बारिश के बाद 14 जिलों में 40.21 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। कई नदियां

खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक, 14 जिलों के 84 प्रखंडों की 514 ग्राम पंचायतों में बाढ़ का असर है।

पश्चिम बंगाल के मालदा में गंगा का जलस्तर बढ़ा- पश्चिम बंगाल के मालदा में गंगा का जलस्तर बढ़ने से महानंदा टोला और आसपास के इलाकों में बाढ़ और तेज कटाव की स्थिति बनी हुई है।

लखनऊ से सटे बाराबंकी में दूरसंचार केंद्र सरयू में समाया, फर्रुखाबाद में कड़ाही को नाव बनाया

यूपी में लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। 4 लाख की आबादी प्रभावित है। लखनऊ से सटे बाराबंकी में सरयू का कटान तेज हो गया है। मंगलवार को दूरसंचार केंद्र नदी में समा गया। फर्रुखाबाद में गंगा का पानी गांवों में घुस गया। लोग बड़ी कड़ाही को नाव बनाकर आवाजाही कर रहे हैं। 10 दिन में 15 मकान गंगा में समा चुके हैं। प्रयागराज में हनुमान मंदिर अब पानी से घिरा हुआ है। 10वें दिन भी लेटे हनुमानजी जलमग्न हैं। कानपुर और उन्नाव में पांडु नदी का पानी बस्तियों में घुस गया है। गलियों में नावें चल रही हैं। बिजनौर में गंगा नदी के बाढ़ के पानी के साथ मगरमच्छ रिहाइशी इलाके में पहुंच गया। गांव वालों ने उसे रस्सी से बांधकर वन विभाग को सौंप दिया। बलिया में सरयू की बाढ़ में कारें और बाइकें डूब गईं। इधर, बुधवार सुबह से प्रयागराज, कौशांबी, भदोही समेत 10 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। पूर्वी यूपी के ज्यादातर शहरों में बादल छाए हैं।

सीजेआई की नोएडा मजिस्ट्रेट को फटकार, बोले- हिम्मत कैसे हुई

सीजेपी प्रदर्शन से जुड़ी एफआईआर, रद्द करने का आदेश दे चुके, फिर भी नोटिस क्यों

नोएडा (एजेंसी)। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने नोएडा के मजिस्ट्रेट को फटकार लगाई। बुधवार को सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 'जब सुप्रीम कोर्ट ने छात्र विरोध प्रदर्शनों से जुड़ी एफआईआर रद्द कर दी हैं। विरोध प्रदर्शनों को लेकर किसी भी छात्र के खिलाफ भविष्य में जबरदस्ती की कार्रवाई पर रोक लगाई है। ऐसे में एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने छात्र को नोटिस जारी करने की हिम्मत कैसे की? कोई भी मजिस्ट्रेट उस आदेश का उल्लंघन नहीं कर सकता।'

दरअसल, 4 सितंबर को नोएडा कमिश्नरेट के थर्ड एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट आर के सिसोदिया ने दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) प्रदर्शन में शामिल छात्र अक्षत त्रिपाठी के खिलाफ नोटिस जारी किया था। इसमें 5 लाख रुपए का बॉन्ड और इतनी ही रकम के दो जमानतदार पेश करने को कहा गया

था। इसके बाद छात्र ने मंगलवार को वीडियो जारी कर कहा था- सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद मुझे विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए धमकाया जा रहा है।

बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सीनियर एडवोकेट विश्वजीत भट्टाचार्य ने मौखिक रूप से सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच को यह बात बताई।

सुप्रीम कोर्ट बोला- जिला मजिस्ट्रेट से जवाब मांगेंगे

वकील भट्टाचार्य ने सुप्रीम कोर्ट से कहा- यह भारत के छात्रों के साथ एक प्रयोग किया जा रहा है। इसका असर पूरे देश पर पड़ेगा। पहले अवमानना की गई और फिर उसे वापस लिया गया। इस अवमानना को इस तरह सुधारा नहीं जा सकता। यह कोर्ट की गरिमा की अवमानना है। नोएडा और यूपी के अधिकारी छात्रों के मन में डर का माहौल नहीं बना सकते हैं। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने भरोसा दिलाते हुए कहा- हम जिला मजिस्ट्रेट से इस पर जवाब मांगेंगे।

4 सितंबर को नोटिस दिया, अगले दिन रद्द कर दिया- छात्र अक्षत त्रिपाठी प्रयागराज के झूंसी के रहने वाले हैं। वह गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) से बीए-एलएलबी कर रहे हैं। अक्षत त्रिपाठी स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की उत्तर प्रदेश स्टेट कमेटी के सदस्य भी हैं।

दिल्ली में अवैध निर्माण वाली इमारतों पर बुलडोजर चलेगा

सीएम रेखा का निर्देश- सभी हॉस्टलों की जांच करें; पीजी ढहने के मामले में अब तक 5 अरेस्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी बिल्डिंग गिरने के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अवैध निर्माण के खिलाफ एक्शन के निर्देश दिए हैं। सीएम ने एमसीडी को अवैध पीजी हॉस्टलों की जांच के निर्देश भी दिए हैं। वरिष्ठ अधिकारी कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद रहेंगे।

वहीं, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने

पीजी बिल्डिंग के पास की इमारतों को गिराना शुरू कर दिया है। इन इमारतों में गर्ल्स पीजी था। लड़कियां पीजी खाली कर दूसरी जगह शिफ्ट हो रही हैं। मंगलवार तक 24 संपत्तियों पर तोड़फोड़ की कार्रवाई और 7 अवैध ढांचों को सील किया जा चुका था।

सत्य निकेतन में 6 सितंबर को पांच मंजिला पीजी बिल्डिंग गिरने से 7 लोगों की मौत हुई थी। मामले में बुधवार तक 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

गर्ल्स पीजी की दीवारों में दरारें

हॉस्टल डेज के पड़ोस में बने कनक लता गर्ल्स पीजी को भी आज गिराया जा रहा है। यह वही गर्ल्स हॉस्टल है, जिसमें रहने वाली छात्राओं ने अपने कमरों की दीवारों और छत में आई दरारों का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था।

यहां रहने वाली दिल्ली यूनिवर्सिटी की सेकेंड ईयर की छात्राओं अर्निका और मानसी ने हॉस्टल डेज की बिल्डिंग गिरने से कुछ मिनट पहले अपने कमरे का वीडियो बनाया था। वीडियो में दीवारों और छत पर दरारें दिखाई दे रही हैं। 20 साल की अर्निका वीडियो में कहती हैं, लगता है गिरने वाली है।

सत्य निकेतन पीजी हादसा मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने संकेत दिया कि वे इस मुद्दे को केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रखेंगे, बल्कि देशभर में जर्जर और अवैध इमारतों की स्थिति की समीक्षा करेंगे।

कच्चा तेल 100 डॉलर पार, 6 हफ्ते में सबसे महंगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। कच्चे तेल यानी क्रूड ऑयल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। आज यानी 9 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड के दामों में 2.25 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इसकी वजह अमेरिका-ईरान के बीच फिर तनाव बढ़ना बताया जा रहा है। इस बढ़ोतरी के पहले क्रूड की कीमत 98 बैरल प्रति डॉलर थी। इससे पहले 24 जुलाई को क्रूड का दाम 100 बैरल प्रति डॉलर पहुंचा था। अगर कच्चे तेल के दाम ऐसे ही बढ़ते रहे तो इससे पेट्रोल-डीजल और एलपीजी के दाम बढ़ सकते हैं।

अमेरिका ने ईरान के 5 क्रूड ऑयल टैंकर तबाह किए- तेल की कीमतों में इस ताजा उछाल की मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच शुरू हुई नई सैन्य झड़पें हैं। यूएस सेंट्रल कमांड ने मंगलवार देर रात बयान जारी कर बताया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के 5 तेल टैंकरों को नष्ट कर दिया। अमेरिका का दावा है कि उसने यह कार्रवाई ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स द्वारा अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत पर बैलिस्टिक मिसाइल से किए गए हमले के जवाब में की है।

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर ने पूरा वंदे मातरम् गाया

कांग्रेस ने आपत्ति जताई, कहा- सहयोगी दल पार्टी के साथ रहे

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला की मौजूदगी में पूरा वंदे मातरम गाए जाने पर कांग्रेस ने आपत्ति जताई है।

इस पर उमर की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने कहा कि गठबंधन के सहयोगियों पर शर्तें थोपने का अधिकार कांग्रेस का नहीं है। वहीं, बीजेपी ने कांग्रेस को 'मुस्लिम लीग' की राजनीति करने वाली पार्टी बताया।

विवाद सोमवार को जम्मू-कश्मीर के अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में राष्ट्रीय गीत का पूरा संस्करण गाए जाने के बाद शुरू हुआ।

कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कार्यक्रम का वीडियो शेयर करते नेशनल कॉन्फ्रेंस से अपील की कि वह कांग्रेस के साथ खड़ी रहे और वंदे मातरम के 2 पैरा गाने के पक्ष में अपना रुख कायम रखे।

संपादकीय

आसान लोन का जाल

अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए आज विभिन्न माध्यमों से ऋण लेना जहां आसान हो चुका है वहीं इसके दुष्प्रभाव भी नजर आने लगे हैं। कई लोग आवश्यकता से अधिक लोन लेने के कारण मानसिक अवसाद की स्थिति में चले जाते हैं तो कुछ अपने जीवन लीला ही समाप्त कर लेते हैं। ऐसे मामलों को लेकर सरकार ने तमाम नियम कानून बनाए हैं लेकिन बावजूद इसके शोषण करने के प्रकरण समाप्त नही हो रहे हैं। इधर देहरादून प्रशासन ने फर्जी लोन मामलों के बढ़ते मामलों के बाद दिशा निर्देश जारी किए हैं तो वही बिना जांच पड़ताल किए दिलाई गए लोन पर भी कार्रवाई करने के संकेत दिए हैं।आज के दौर में जहां लोगों की आर्थिक जरूरतें बढ़ रही हैं, वहीं लोन के नाम पर होने वाली ठगी भी तेजी से बढ़ रही है। मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और इंटरनेट के माध्यम से ठग लोगों को आसान और तत्काल ऋण दिलाने का लालच देकर अपने जाल में फंसा रहे हैं। बेरोजगार युवा, छोटे व्यापारी और आर्थिक संकट से जूझ रहे लोग इन ठगों के सबसे आसान शिकार बन रहे हैं।

ठगी करने वाले गिरोह आकर्षक विज्ञापनों के जरिए दावा करते हैं कि बिना गारंटी, बिना दस्तावेज और कुछ ही मिनटों में लाखों रुपये का लोन उपलब्ध कराया जाएगा। आवेदन करने के बाद प्रोसेसिंग फीस, फाइल चार्ज, बीमा शुल्क या जीएसटी के नाम पर पहले पैसे जमा करवाए जाते हैं। कई मामलों में नकली वेबसाइट और फर्जी मोबाइल एप भी बनाए जाते हैं। ये एप लोगों की निजी जानकारी, बैंक खाते और पहचान संबंधी दस्तावेज हासिल कर लेते हैं। बाद में इन जानकारियों का दुरुपयोग कर आर्थिक और साइबर अपराधों को अंजाम दिया जाता है। चिंता की बात यह है कि डिजिटल साक्षरता की कमी और जल्दी पैसा पाने की इच्छा लोगों को बिना जांच–पड़ताल किए ऐसे प्रस्तावों पर भरोसा करने के लिए प्रेरित करती है। कई बार लोग यह भी नही देखते कि जिस संस्था से लोन लेने की बात हो रही है, वह वैध है या नहीं। इस समस्या से बचने के लिए जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है। किसी भी लोन ऑफर पर विश्वास करने से पहले संबंधित बैंक या वित्तीय संस्था की विश्वसनीयता की जांच करनी चाहिए। अग्रिम शुल्क मांगने वाले प्रस्तावों से सतर्क रहना चाहिए और अपनी व्यक्तिगत जानकारी अनजान लोगों या संदिग्ध वेबसाइटों के साथ साझा नहीं करनी चाहिए। सरकार और साइबर सुरक्षा एजेंसियां लगातार लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन जब तक नागरिक स्वयं सतर्क नही होंगे, तब तक ऐसे अपराधों पर पूरी तरह रोक लगाना कठिन होगा। आसान लोन के लालच में उठाया गया एक गलत कदम जीवन भर की कमाई को खतरे में डाल सकता है। इसलिए समझदारी इसी में है कि किसी भी वित्तीय प्रस्ताव को स्वीकार करने से पहले उसकी पूरी जांच की जाए और संदेह होने पर तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचना दी जाए। सराहनीय बात यह है कि उत्तराखंड सरकार ऐसे मामलों को लेकर गंभीर है और इस संबंध मैं कड़े दिशा निर्देश जिला अधिकारियों को दिए गए है।

विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवसः आत्महत्या नहीं समाधान, संवाद बने जीवन की ढाल

योगेश कुमार गोयल

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से प्रतिवर्ष 10 सितंबर को दुनियाभर में तेजी से बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उद्देश्य से ह्यविश्व आत्महत्या रोकथाम दिवसह्ल मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत ह्यइंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सुसाइड प्रिवेंशनह्ल (आईएएसपी) द्वारा 2003 में की गई थी। इन दिन एक पीले रंग के रिबन को प्रतीक के रूप में पहना जाता है, जो इस बात को फैलाने में मदद करने के लिए पहना जाता है कि आत्महत्या की रोकथाम के बारे में बोलने से लोगों की जान बचाई जा सकती है। इस दिवस को मनाने का प्रमुख उद्देश्य आत्महत्या करने वाले व्यक्ति के व्यवहार पर शोध करना, जागरुकता फैलाना और डेटा एकत्रित करना है। दरअसल डब्ल्यूएचओ के मुताबिक दुनिया में हर 40 सैकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है।

प्रतिवर्ष विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस की एक थीम निर्धारित की जाती है। आत्महत्या रोकथाम दिवस की 2026 की थीम है ह्यआत्महत्या पर दृष्टिकोण बदलनाह्ल। इस थीम का उद्देश्य आत्महत्याओं को रोकने के लिए कलंक को कम करने और खुली बातचीत को प्रोत्साहित करने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है।

हालांकि बीते वर्षों में दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर जारी अपनी रिपोर्ट में बताया है कि वर्ष 2024 में देश में 170746 आत्महत्याएं दर्ज की गई जबकि 2023 में कुल 171418 लोगों ने आत्महत्या की थी। वर्ष 2022 में भारत में आत्महत्या करने वालों की यह संख्या 170924 जबकि 2021 में 164033 थी। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। आज छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं।

जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक मानसिक तनाव, निराशा, अकेलेपन, असफलता, पारिवारिक कलह, आर्थिक संकट या किसी गहरे भावनात्मक आघात से जूझता है तो उसकी सोचने-समझने और परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। ऐसे में अवसाद, निराशा और असहायता की भावना धीरे-धीरे इतनी गहरी हो सकती है कि व्यक्ति को अपने सामने मौजूद समस्याओं से बाहर निकलने का कोई रास्ता दिखाई नहीं देता। यही वह संवेदनशील अवस्था है, जिसमें कुछ लोग आत्महत्या के विचारों से घिर सकते हैं।

मिट्टी के गणेश की स्थापना बने देश का संकल्प, आस्था के साथ पर्यावरण की भी हो रक्षा

कांतिलाल मांडोत

गणेशोत्सव केवल भगवान गणेश की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और प्रकृति के साथ जुड़ाव का भी उत्सव है। हर वर्ष गणेश चतुर्थी के साथ देशभर में लाखों घरों और सार्वजनिक पंडालों में गणेश प्रतिमाओं की स्थापना होती है। श्रद्धालु पूरी आस्था और उत्साह के साथ भगवान गणेश का पूजन करते हैं और उत्सव के समापन पर प्रतिमाओं का विसर्जन करते हैं। लेकिन बदलते समय के साथ इस धार्मिक परंपरा के सामने पर्यावरण संरक्षण की एक बड़ी चुनौती भी खड़ी हुई है। यही कारण है कि अब गणेशोत्सव को ऐसी दिशा देने की जरूरत है, जिसमें आस्था भी बनी रहे और प्रकृति की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो।

गणेशोत्सव का आगाज होने वाला है और ऐसे समय में पूरे देश को एक ऐसा संकल्प लेने की जरूरत है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बने। यह संकल्प मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा की स्थापना का होना चाहिए। यदि घर-घर और सार्वजनिक आयोजनों में मिट्टी के गणेश को प्राथमिकता दी जाए तो धार्मिक आस्था के साथ जल, मिट्टी और जलीय जीवों की रक्षा का संदेश भी मजबूत होगा। गणेशजी को विघ्नहर्ता कहा जाता है और आज सबसे बड़ा विघ्न प्रदूषण का बढ़ता संकट है। ऐसे में पर्यावरण अनुकूल गणेश प्रतिमा की स्थापना वास्तव में प्रकृति की रक्षा की दिशा में एक सार्थक धार्मिक पहल बन सकती है।

हाल ही में धरमपुर में आयोजित इको फ्रेंडली गणेश मेकिंग वर्कशॉप ने इसी सोच को जमीन पर उतारने का सुंदर प्रयास किया। लेडी विल्सन म्यूजियम और धरमपुर नगर पालिका संचालित एसएमएसएन बाल लाइब्रेरी के संयुक्त आयोजन में बच्चों और नागरिकों ने प्राकृतिक मिट्टी से गणेश प्रतिमाएं बनाईं। करीब 85 प्रतिभागियों की भागीदारी यह बताती है कि समाज में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और यदि बच्चों तथा नई पीढ़ी को सही दिशा दिखाई जाए तो वे परंपरा और पर्यावरण के बीच बेहतर संतुलन स्थापित कर सकते हैं। इस तरह के आयोजन केवल मूर्ति बनाने की कला सिखाने तक सीमित नहीं होते, बल्कि वे समाज में एक विचार को जन्म देते हैं।

सबसे बड़ा सवाल गणेश प्रतिमाओं के निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री का है। प्लास्टर ऑफ पेरिस से बनी प्रतिमाएं देखने में आकर्षक और आसानी से तैयार होने वाली हो सकती हैं, लेकिन उनके विसर्जन के बाद पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पीओपी पानी में आसानी से प्राकृतिक रूप से नहीं घुलता। इसके साथ ही कई प्रतिमाओं पर इस्तेमाल किए जाने वाले रासायनिक रंग और अन्य सामग्री जल की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकते हैं। जब बड़ी संख्या में प्रतिमाओं का विसर्जन नदियों, तालाबों, झीलों और अन्य जलस्रोतों में होता है तो वहां प्रदूषण का दबाव बढ़ जाता है।

जलस्रोत केवल इंसानों के लिए पानी का माध्यम नहीं हैं। वे असंख्य जलीय जीवों और वनस्पतियों का घर भी हैं। पानी में जाने वाली ऐसी सामग्री जो प्राकृतिक रूप से आसानी से नष्ट नहीं होती, जलीय पारिस्थितिकी तंत्र के लिए परेशानी पैदा कर सकती है। रासायनिक रंगों और अन्य गैर-प्राकृतिक पदार्थों से जल की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका रहती है। इससे मछलियों सहित दूसरे जलीय जीवों के जीवन पर भी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। इसलिए गणेश प्रतिमा की सामग्री का चयन केवल धार्मिक या सौंदर्य का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह पर्यावरणीय जिम्मेदारी का भी विषय बन चुका है।

इसके मुकाबले प्राकृतिक मिट्टी से बनी गणेश प्रतिमा पर्यावरण के लिए अधिक अनुकूल विकल्प प्रस्तुत करती है। मिट्टी प्रकृति का हिस्सा है और उचित परिस्थितियों में पानी के संपर्क में आने पर प्राकृतिक रूप से वापस मिट्टी में मिल सकती है। इसका अर्थ यह है कि श्रद्धा से स्थापित की गई प्रतिमा उत्सव के बाद प्रकृति पर लंबे समय तक बोझ नहीं बनती। यही कारण है कि मिट्टी के गणेश की स्थापना को केवल एक फैशन या अभियान के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसे हमारी धार्मिक परंपरा को प्रकृति के साथ जोड़ने वाली जिम्मेदार पहल के रूप में अपनाने की जरूरत है।

मिट्टी के गणेश का एक बड़ा लाभ यह भी है कि इससे स्थानीय कारीगरों और पारंपरिक शिल्प को प्रोत्साहन मिलता है। जब लोग प्राकृतिक मिट्टी से बनी प्रतिमाओं को प्राथमिकता देंगे तो स्थानीय मूर्तिकारों के लिए रोजगार और आय के अवसर बढ़ेंगे। गांवों और छोटे शहरों में पारंपरिक रूप से प्रतिमा बनाने वाले कारीगरों की कला को भी संरक्षण मिलेगा। गणेशोत्सव के माध्यम से स्थानीय कला और संस्कृति को मजबूत करना भी इस पहल का महत्वपूर्ण पक्ष हो सकता है। मिट्टी की प्रतिमा बनाने की प्रक्रिया बच्चों के लिए भी रचनात्मक और शिक्षाप्रद अनुभव बन सकती है। धरमपुर की कार्यशाला में बच्चों ने अपने हाथों से गणेश प्रतिमाएं तैयार कीं और उन्हें घर ले जाकर स्थापित करने का संकल्प लिया। इस तरह की गतिविधियां बच्चों को केवल धार्मिक भावना से नहीं जोड़तीं, बल्कि उन्हें प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का पाठ भी पढ़ाती हैं। जिस बच्चे ने अपने हाथों से मिट्टी के गणेश बनाए होंगे, उसके लिए प्रतिमा और प्रकृति के बीच संबंध को समझना कहीं अधिक सहज होगा।

गणेशोत्सव के दौरान पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी केवल प्रशासन या नगर निकाय की नहीं हो सकती। इसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की भूमिका है। परिवार यदि मिट्टी की प्रतिमा खरीदने या बनाने का निर्णय लेते हैं तो यह बदलाव की शुरूआत होगी। स्कूल और सामाजिक संस्थाएं बच्चों के लिए मिट्टी की गणेश प्रतिमा बनाने की कार्यशालाएं आयोजित कर सकती हैं। धार्मिक संस्थाएं और गणेश मंडल भी पर्यावरण अनुकूल प्रतिमाओं को प्रोत्साहित कर सकते हैं। स्थानीय प्रशासन जलस्रोतों की स्वच्छता और सुरक्षित विसर्जन की व्यवस्था के साथ लोगों को प्राकृतिक प्रतिमाओं के उपयोग के लिए जागरूक कर सकता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पर्यावरण संरक्षण को धार्मिक आस्था के विरोध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। आस्था और प्रकृति एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव सम्मान दिया गया है। पेड़-पौधे, नदियां, पर्वत और जलस्रोत हमारे सांस्कृतिक जीवन का हिस्सा रहे हैं। भगवान गणेश स्वयं प्रकृति से जुड़े अनेक प्रतीकों के साथ पूजे जाते हैं। ऐसे में उनके उत्सव को प्रकृति के अनुकूल बनाना हमारी परंपरा की भावना के और करीब ले जाता है।

आज आवश्यकता केवल एक वर्ष मिट्टी की प्रतिमा स्थापित करने की नहीं, बल्कि इसे स्थायी सामाजिक संकल्प बनाने की है। यदि एक परिवार से शुरूआत होती है तो धीरे-धीरे पूरा मोहल्ला, शहर और फिर पूरा समाज इससे जुड़ सकता है। आने वाले वर्षों में ऐसा समय आ सकता है जब गणेशोत्सव की पहचान ही पर्यावरण अनुकूल उत्सव के रूप में होने लगे। जब लोग गर्व से कहें कि उनके घर में स्थापित गणेशजी मिट्टी से बने हैं और विसर्जन के बाद वे प्रकृति में ही समा जाएंगे, तब यह उत्सव वास्तव में एक नए सामाजिक बदलाव का प्रतीक बनेगा।

गणेशजी विघ्नहर्ता हैं। आज प्रदूषित होते जलस्रोत, घटती जल गुणवत्ता और प्रकृति पर बढ़ता दबाव हमारे सामने बड़ी चुनौती हैं। इन चुनौतियों को कम करने में हर छोटा कदम महत्वपूर्ण है। मिट्टी के गणेश की प्रतिमा स्थापित करना भले ही छोटा संकल्प दिखाई दे, लेकिन करोड़ों परिवार इसे अपना लें तो इसका प्रभाव बहुत बड़ा हो सकता है। इसलिए इस गणेशोत्सव पर घर-घर से यही आवाज उठनी चाहिए कि आस्था भी रहे, परंपरा भी रहे और प्रकृति भी सुरक्षित रहे।

मिट्टी के गणेश केवल प्रतिमा नहीं, बल्कि बदलती सोच का प्रतीक बन सकते हैं। यह संकल्प भगवान गणेश के प्रति श्रद्धा को कम नहीं करता, बल्कि श्रद्धा को प्रकृति की सेवा से जोड़ता है। गणेशोत्सव की सच्ची सार्थकता तभी होगी, जब उत्सव के बाद हमारे जलस्रोत पहले से अधिक स्वच्छ रहें, जलीय जीवन सुरक्षित रहे और आने वाली पीढ़ियां भी उसी निर्मल प्रकृति का आनंद ले सकें, जिसकी रक्षा की जिम्मेदारी आज हमारे हाथों में है। इस बार गणेशजी को घर लाते समय एक संकल्प भी साथ लाना होग ागणेशजी मिट्टी के होंगे और हमारा उत्सव प्रकृति के हित में होगा। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

ई-बाजारः सुविधा से आगे टिकाऊ अर्थव्यवस्था की नई चुनौती

ललित गर्ग

ई-बाजार का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि उसने दुकान को स्थान से निकालकर व्यक्ति की हथेली तक पहुंचा दिया है। पहले ग्राहक बाजार जाता था, अब बाजार ग्राहक के मोबाइल में पहुंच गया है। दुकान खुलने और बंद होने का समय समाप्त हो रहा है। भौगोलिक दूरी का महत्व घट रहा है और सुविधा खरीदारी का सबसे बड़ा आकर्षण बनती जा रही है। इसी कारण ऑनलाइन खरीदारी अब केवल महानगरों की सुविधा नहीं रही। छोटे शहर और कस्बे इसके नए केंद्र बन रहे हैं।

भारत में खरीदारी की दुनिया जिस तेजी से बदल रही है, वह केवल बाजार की शैली में परिवर्तन नहीं है, बल्कि उपभोक्ता व्यवहार, रोजगार, तकनीक, छोटे व्यापार और अर्थव्यवस्था की पूरी संरचना में हो रहे बदलाव का संकेत है। हाल में शोध परामर्श संस्था इन्फिसम की रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को एक स्पष्ट आंकड़े में सामने रखा है। उसके अनुसार भारत का ई-बाजार 2024 के लगभग 125 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक करीब 345 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यानी छह वर्षों में लगभग तीन गुना विस्तार। इसके लिए लगभग 18.4 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस आंकड़े को केवल बाजार की सफलता के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इतनी तेज वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था, रोजगार, उपभोक्ता अधिकार, छोटे व्यापार और पर्यावरण के लिए किस तरह का भविष्य बनाएगी। ई-बाजार की अगली कहानी केवल अधिक बिक्री की नहीं, बल्कि अधिक विवेकपूर्ण और अधिक टिकाऊ विकास की होनी चाहिए।

ई-बाजार का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि उसने दुकान को स्थान से निकालकर व्यक्ति की हथेली तक पहुंचा दिया है। पहले ग्राहक बाजार जाता था, अब बाजार ग्राहक के मोबाइल में पहुंच गया है। दुकान खुलने और बंद होने का समय समाप्त हो रहा है। भौगोलिक दूरी का महत्व घट रहा है और सुविधा खरीदारी का सबसे बड़ा आकर्षण बनती जा रही है। इसी कारण ऑनलाइन खरीदारी अब केवल महानगरों की सुविधा नहीं रही। छोटे शहर और कस्बे इसके नए केंद्र बन रहे हैं। हालिया अध्ययन के अनुसार नए प्रत्यक्ष-से-उपभोक्ता आदेशों का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों से आ रहा है। यह परिवर्तन भारत की आर्थिक संरचना के लिए विशेष महत्व रखता है। महानगरों के बाद अब छोटे शहरों का उपभोक्ता बाजार की अगली शक्ति बन रहा है। स्थानीय भाषा में सामग्री, क्षेत्रीय पसंद, छोटे व्यापारियों की डिजिटल उपस्थिति और कम लागत वाली आपूर्ति व्यवस्था आने वाले वर्षों में ई-बाजार के विस्तार को गति दे सकती है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार केवल तकनीक का बाजार नहीं होगा, बल्कि भारत की विविध भाषाओं, संस्कृतियों और स्थानीय आवश्यकताओं को समझने वाला बाजार होगा।

इस बदलाव में नई पीढ़ी की भूमिका निर्णायक है। आज ऑनलाइन खरीदारों में नई पीढ़ी की हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई बताई जा रही है और अनुमान है कि 2030 तक यही वर्ग डिजिटल खर्च का सबसे बड़ा समूह बन सकता है। यह केवल उम्र का परिवर्तन नहीं है, यह उपभोग की मानसिकता का परिवर्तन है। नई पीढ़ी विकल्पों की तुलना करती है, मूल्य की जांच करती है, दूसरे ग्राहकों की राय

पढ़ती है और सुविधा को बहुत महत्व देती है। उसके लिए खरीदारी केवल वस्तु प्राप्त करना नहीं, बल्कि समय बचाना भी है। यही मानसिकता त्वरित वाणिज्य को असाधारण गति दे रही है। कुछ वर्ष पहले कुछ मिनटों में सामान पहुंचाने की कल्पना असंभव लगती थी, आज यह महानगरों से निकलकर छोटे शहरों तक पहुंच रही है। अनुमान है कि 2030 तक त्वरित वाणिज्य का बाजार 65 से 70 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है और अगले पांच वर्षों में ई-बाजार की अतिरिक्त वृद्धि में इसका योगदान 45 से 50 प्रतिशत तक हो सकता है। इसके साथ छोटे स्थानीय भंडार केंद्रों की संख्या 2025 के लगभग 2,525 से बढ़कर 2030 तक करीब 7,500 होने का अनुमान है।

लेकिन यहां एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा होता है-क्या हर वस्तु को कुछ मिनट में घर पहुंचाना वास्तव में प्रगति का अंतिम मानक है? यदि उपभोक्ता को पांच मिनट में सामान मिल जाए, लेकिन उस सुविधा के पीछे अत्यधिक पैकेजिंग, अधिक यातायात, अधिक ऊर्जा खपत, अस्थिर रोजगार और लगातार घाटे का व्यापार हो, तो ऐसी गति को कितने समय तक टिकाऊ कहा जा सकता है? इसलिए आने वाले समय में ई-बाजार की सफलता को केवल वितरण की गति से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक संतुलन से भी मापना होगा। प्रौद्योगिकी इस पूरी व्यवस्था को और गहराई से बदलने वाली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ग्राहक की पसंद को समझकर उत्पाद सुझाएगी, संवाद आधारित खरीदारी ग्राहक को बातचीत के माध्यम से निर्णय लेने में सहायता देगी और आभासी परीक्षण से वस्त्र, सौंदर्य सामग्री तथा अन्य उत्पादों को खरीदने का अनुभव बदल सकता है। एक हालिया अध्ययन के अनुसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और यंत्र-अधिगम 2030 तक खुदरा उत्पादकता में 35 से 37 प्रतिशत तक सुधार ला सकते हैं। इससे आगे एक और बड़ा परिवर्तन संभव है। आज ग्राहक स्वयं वस्तु खोजता है, कल कृत्रिम बुद्धिमत्ता उसके लिए खोज, तुलना और चयन का बड़ा हिस्सा कर सकती है। अर्थात बाजार में सबसे बड़ा प्रतिस्पर्धी केवल वह कंपनी नहीं होगी जिसके पास अधिक उत्पाद हैं, बल्कि वह होगी जो ग्राहक की आवश्यकता को उससे पहले समझ सके। यह सुविधा जहां समय बचाएगी, वहीं उपभोक्ता की स्वतंत्र पसंद, निजता और आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़े नए प्रश्न भी पैदा करेगी।

ई-बाजार का विस्तार परंपरागत दुकानदार के लिए भी बड़ी चुनौती है। ऑनलाइन कीमतों की तुलना करने वाला ग्राहक अब दुकान पर भी अधिक जागरूक होकर पहुंचता है। लेकिन इसे केवल ऑनलाइन बनाम ऑफलाइन संघर्ष के रूप में देखना गलत होगा। भविष्य का सफल व्यापारी संभवतः दोनों का मेल करेगा। स्थानीय दुकानदार डिजिटल माध्यम से आदेश ले सकता है, घर तक सामान पहुंचा सकता है और अपने पुराने ग्राहक संबंधों को तकनीकी सुविधा से जोड़ सकता है। इस प्रकार ई-बाजार परंपरागत बाजार का अंत करने के बजाय उसे नए रूप में ढाल सकता है। दूसरी ओर रोजगार का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। ई-बाजार ने वितरण, भंडारण, पैकिंग, तकनीकी सेवाओं और घरेलू आपूर्ति में लाखों अवसर पैदा किए हैं, लेकिन काम की गुणवत्ता, मेहनताना, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल की सुरक्षा को लेकर प्रश्न बने हुए हैं। यदि आर्थिक वृद्धि का लाभ केवल कंपनियों और निवेशकों तक सीमित रह जाए और अंतिम पंक्ति में काम करने वाले व्यक्ति को असुरक्षित रोजगार मिले, तो यह विकास अधूरा माना जाएगा।

पर्यावरण भी इसी बहस का महत्वपूर्ण पक्ष है। हर वस्तु की अलग पैकिंग, बार-बार होने वाली छोटी आपूर्ति और अत्यंत तेज वितरण से ऊर्जा उपयोग तथा अपशिष्ट बढ़ सकता है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार पुनर्चक्रण योग्य पैकेजिंग, विद्युत वाहनों, सामूहिक वितरण और कम-अपशिष्ट आपूर्ति व्यवस्था की ओर बढ़े, तभी उसकी वास्तविक सामाजिक उपयोगिता सिद्ध होगी। एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि भविष्य की खरीदारी केवल कंपनियां नहीं, बल्कि सामग्री निमार्ता और सामाजिक माध्यमों से प्रभावित होगी। गूगल और डेलॉइट के 2026 के अध्ययन के अनुसार 2030 तक नई पीढ़ी ऑनलाइन खर्च का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा नियंत्रित कर सकती है और सामग्री निमार्ता कुल खुदरा खर्च के लगभग 30 प्रतिशत को प्रभावित कर सकते हैं। इसका अर्थ है कि विज्ञापन और खरीदारी के बीच की पुरानी दूरी तेजी से मिटेगी। विश्वास, अनुभव और सामाजिक प्रभाव वस्तु की कीमत जितने ही महत्वपूर्ण हो सकते हैं।

इसलिए 2030 का ई-बाजार आज के ई-बाजार से बिल्कुल अलग होगा। वह केवल इंटरनेट पर बनी दुकान नहीं होगा, बल्कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्थानीय भाषाओं, डिजिटल भुगतान, त्वरित वितरण, सामाजिक प्रभाव और व्यक्तिगत सुझावों से निर्मित एक विशाल आर्थिक पारिस्थितिकी तंत्र होगा। अनुमान है कि दशक के अंत तक ई-बाजार भारत के कुल खुदरा खर्च का 10 से 12 प्रतिशत और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में लगभग 2.5 प्रतिशत योगदान कर सकता है तथा 42 से 44 करोड़ ऑनलाइन खरीदारों तक पहुंच सकता है। फिर भी हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि बाजार का आकार जितना बड़ा होगा, उसकी जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होगी। ई-बाजार की असली परीक्षा यह नहीं है कि वह कितनी तेजी से बढ़ता है, बल्कि यह है कि वह कितने लोगों को साथ लेकर बढ़ता है। यदि तकनीक सुविधा दे, छोटे व्यापारी अवसर पाएं, उपभोक्ता सुरक्षित रहे, कामगार को सम्मानजनक रोजगार मिले, पर्यावरण पर बोझ घटे और कंपनियां टिकाऊ मुनाफे के साथ आगे बढ़ें, तभी यह विस्तार वास्तविक आर्थिक प्रगति कहलाएगा। भारत के ई-बाजार के सामने इसलिए एक बड़ा अवसर और एक बड़ी चेतावनी दोनों हैं। 345 अरब डॉलर का लक्ष्य आकर्षक है, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है उस बाजार की गुणवत्ता। हमें ऐसा ई-बाजार चाहिए जो केवल खरीदारी को तेज न बनाए, बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक समावेशी, अधिक विश्वसनीय, अधिक मानवीय और अधिक टिकाऊ बनाए। आने वाले वर्षों में जीत उसी की होगी जो ग्राहक को केवल वस्तु नहीं, विश्वास, सुविधा और मूल्य-तीनों एक साथ दे सके। यही ई-बाजार की अगली और सबसे महत्वपूर्ण क्रांति होगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

लोकजीवन और पहाड़ की पीड़ा को शब्द देने वाले साहित्यकार थे डोभाल

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बुरांस साहित्य एवं कला केंद्र द्वारा हिन्दी के साहित्यकार बल्लभ डोभाल की तेरहवीं के संस्कार के बाद हिमालय दिवस पर शब्दों में हिमालय : बल्लभ डोभाल का साहित्यिक संसार और हिमालयी संवेदनाह्व विषय पर एक भावपूर्ण विचार गोष्ठी के माध्यम से बल्लभ डोभाल को साहित्यिक श्रद्धांजलि दी गई। गोष्ठी के संयोजक बुरांस साहित्य एवं कला केंद्र के अध्यक्ष, वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार प्रो. प्रदीप कुमार वेदवाल ने कहा कि बल्लभ डोभाल का साहित्य केवल शब्दों का संसार नहीं, बल्कि हिमालय के जीवन, उसकी संस्कृति, संघर्ष, स्मृतियों और संवेदनाओं का जीवंत दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि डोभाल ने अपने लेखन के माध्यम से पहाड़ की पीड़ा, पलायन, लोकजीवन, प्रकृति और बदलते सामाजिक परिवेश को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ अभिव्यक्ति दी। प्रोफेसर वेदवाल ने कहा कि बल्लभ डोभाल हिमालय की आत्मा, लोकजीवन और पहाड़ की पीड़ा को शब्द देने वाले साहित्यकार थे।

सेक्टर 12 स्थित सामुदायिक केंद्र में आयोजित गोष्ठी में साहित्य, पत्रकारिता और

संस्कृति जगत से जुड़े अनेक साहित्यकारों एवं बुद्धिजीवियों ने बल्लभ डोभाल के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करते हुए उनके साहित्य में निहित हिमालयी चेतना पर विस्तार से विचार व्यक्त किए। गोष्ठी का शुभारंभ योगेन्द्र कुमार पूर्व अपर आयुक्त (विधि), वाणिज्यिक कर, उत्तर प्रदेश के संबोधन से हुआ। योगेन्द्र कुमार ने बल्लभ डोभाल के साहित्यिक योगदान का सिलसिलेवार उल्लेख करते हुए उनके साहित्य को अनुकरणीय बताया। वरिष्ठ पत्रकार एवं साहित्यकार सुषमा जुगरान ध्यानी ने कहा कि बल्लभ डोभाल का व्यक्तित्व जितना सहज और आत्मीय था, उनका साहित्य उतना ही गहन और जीवन-सापेक्ष था। उन्होंने कहा कि डोभाल ने हिमालय और पहाड़ को केवल भौगोलिक परिदृश्य के रूप में नहीं देखा, बल्कि उसे मनुष्य की संवेदना और सांस्कृतिक चेतना के रूप में अपने साहित्य में प्रतिष्ठित किया। प्रसिद्ध कथाकार पंकज बिष्ट ने बल्लभ डोभाल के साहित्यिक योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि उनका लेखन अपने समय और समाज से गहरे संवाद करता है। कथाकार महेश दर्पण ने कहा कि बल्लभ डोभाल उन रचनाकारों में थे जिन्होंने अपने परिवेश को पूरी ईमानदारी और संवेदनशीलता के साथ शब्दों में उतारा। महेश दर्पण ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला और अन्य जगहों में प्रवास कर बल्लभ डोभाल ने अनुपम साहित्य का सृजन किया है। वरिष्ठ साहित्यकार राजा खुगशाल ने कहा कि बल्लभ डोभाल के साथ सतर के दशक में जो उनके संबंध बने थे वो ताउम्र बने रहे। लेखक मंगतराम धस्माना ने कहा कि किसी साहित्यकार का जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं होता, बल्कि उसके साथ अनुभवों, स्मृतियों और एक पूरे रचनात्मक संसार का एक अध्याय समाप्त होता है। श्रद्धांजलि सभा में बल्लभ डोभाल के पुत्र प्रकाश डोभाल, कैलाश डोभाल, अरुण डोभाल,नातिन शिवानी, अंचल सहित ज्योत्सना बिष्ट, वरिष्ठ पत्रकार नवोदित, विनोद शर्मा, कात्यायनी फांउडेशन से कुसुम असवाल, आभा गांधी, निधि कुमार, हेमलता मैठाणी, वीरेंद्र भसीन, सौम्या डोभाल, गोपाल सिंह असवाल, वरिष्ठ समाजसेवी विनोद कबटियाल, हरीश असवाल, रमेश ध्यानी, विनोद काला, किशोर कुमार कौशल, वीणा मैठाणी, प्रकाश थपलियाल, वीरेंद्र मैठाणी, विनोद कुमार पोखरियाल, सूर्यकांत डोभाल, महेंद्र मैठाणी, लक्ष्मी नागपाल, हेमंत कौशिक, शैलेंद्र मैठाणी, दीपक डंडरियाल, प्रदीप डोभाल, अजय डोभाल, हरिश्चंद्र डोभाल, मुकेश कौशिक,डाक्टर जगदीश यादव और प्रदीप चौधरी सहित साहित्य,संस्कृति से जुड़े लोग मौजूद थे।

युवा पीढ़ी बल्लभ डोभाल के साहित्य का अध्ययन करें

राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड के डायरेक्टर और भाजपा नेता बीरेन्द्र जुयाल ने युवा पीढ़ी से बल्लभ डोभाल के साहित्य को पढ़ने का आह्वान किया। डॉ. हेमा उनियाल ने साहित्यकार बल्लभ डोभाल से जुड़े आत्मीय संस्मरण साझा करते हुए कहा कि वे केवल एक बड़े साहित्यकार ही नहीं, बल्कि अत्यंत संवेदनशील, आत्मीय और नई पीढ़ी के रचनाकारों को प्रोत्साहित करने वाले व्यक्तित्व थे। शशि भूषण खण्डूड़ी ने कहा कि बल्लभ डोभाल भले ही शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी रचनाएं उन्हें सदैव जीवित रखेंगी। चंद्र बल्लभ थपलियाल ने बल्लभ डोभाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर सारगर्भित संबोधन में कहा कि बल्लभ डोभाल अपने क्रांतिकारी लेखन के लिए हमेशा याद रहेंगे। पत्रकार राजेश डंडरियाल ने बल्लभ डोभाल के साहित्य के प्रचार-प्रसार के लिए समाजिक संस्थाओं से समर्पित भाव से काम करने की बात कही।

आयोजित होगें जागरूकता कार्यक्रम

श्रीनगर गढ़वाल : जीएसटी से जुड़े मुद्दों को लेकर बुधवार को राज्य कर विभाग और व्यापार सभा श्रीनगर के पदाधिकारियों के बीच बैठक हुई। राज्य कर भवन में सहायक आयुक्त राज्य कर जीशान मलिक के साथ हुई बैठक में ग्राहकों को जीएसटी बिल देने और इसके महत्व को लेकर व्यापारियों व आम लोगों के बीच जागरूकता अभियान चलाने पर सहमति बनी। व्यापार सभा ने कहा कि जीएसटी नियमों की सही जानकारी व्यापारियों और ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए विभाग के सहयोग से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में व्यापारियों की समस्याओं और उनके समाधान को लेकर भी चर्चा हुई। इस दौरान व्यापार सभा अध्यक्ष अनुज जोशी, महासचिव छवि अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पंकज नेगी, आशीष सडाना, अजय कुमार गुप्ता, हिमांशु भट्ट, हर्ष अग्रवाल और भूपेंद्र बिष्ट मौजूद रहे। (एजेंसी)

संक्षिप्त समाचार

गुलदार का आतंक, मवेशियों के शिकार से ग्रामीणों में दहशत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : प्रखंड द्वारीखाल के च्वरा गांव में गुलदार का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। गुलदार आए दिन आबादी क्षेत्र के आसपास मंडरा रहा है और ग्रामीणों के मवेशियों को अपना निवाला बना रहा है। इससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और लोग अपने मवेशियों को लेकर भी चिंतित हैं। ग्रामीणों के अनुसार पिछले दिनों गुलदार ने मनोज सिंह की गाय को मार डाला। इसके बाद से ग्रामीणों में भय और बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि गुलदार लगातार आबादी क्षेत्र के आसपास दिखाई दे रहा है। ऐसे में किसी अनहोनी की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से गांव और आसपास के क्षेत्र में गश्त बढ़ाने तथा आबादी के नजदीक पिंजरा लगाने की मांग की है। ग्राम प्रधान प्रीति देवी ने भी वन विभाग से गुलदार के आतंक से निजात दिलाने के लिए प्रभावी कदम उठाने और गांव के समीप पिंजरा लगाने की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि समय रहते गुलदार को पकड़ने के लिए कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में स्थिति गंभीर हो सकती है।

छात्रों को आज वितरित किए जायेगें परिचय पत्र

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के छात्रसंघ चुनाव मतदान को लेकर चुनाव समिति ने पीठासीन अधिकारियों, उपपीठासीन अधिकारियों के साथ बैठक कर दिशा निर्देश दिए। इस दौरान चुनाव आचार संहिता के प्रभावी अनुपालन विशेष जोर दिया गया। 10 सितंबर को 12 बजे तक विवि छात्रों के परिचयपत्र वितरित किए जाएंगे।

बिड़ला परिसर निदेशक प्रो. हरभजन सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो. एमसी सती ने चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव प्रचार संबंधी कोई भी सामग्री मतदान परिसर में प्रतिबंधित रहेंगी। मतदान केंद्रों पर मोबाइल का उपयोग प्रतिबंधित है। मुख्य छात्र सलाहकार प्रो. एमएम सेमवाल ने कहा कि प्रातः 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक मतदाताओं के प्रवेश एवं मतदान की प्रक्रिया नियमों के अनुसार संचालित की जाएगी। यदि 2 बजे बाद भी छात्र मतदाता लाइन में हैं तो उन्हें मतदान करवाया जाए।(एजेंसी)

छात्र संघ चुनाव को लेकर प्रचार तेज

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल केंद्रीय विवि में 11 सितंबर को होने वाले छात्र संघ चुनाव का प्रचार तेज हो गया है। करीब साढ़े नौ हजार मतदाताओं तक अपनी बात पहुंचाने के लिए प्रत्याशी विभागों और छात्रावासों में जनसंपर्क के साथ-साथ सोशल मीडिया का सहारा ले रहे हैं। कैंपस की गतिविधियों के फोटो और वीडियो कुछ ही देर में इंस्टाग्राम रील्स और व्हाट्सएप स्टेटस के जरिये छात्रों तक पहुंचाए जा रहे हैं।

76वीं जनपदीय शरदकालीन खेलकूद प्रतियोगिताओं का आगाज

कबड्डी में खिर्सू, नैनीडांडा, दुगड्डा, यमकेश्वर ने जीते मैच

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जनपदीय शरदकालीन खेलकूद प्रतियोगिता का मार्च पास के साथ आगाज हो गया है। मार्च पास में 15 ब्लॉक की टीमों ने भाग लिया। इस अवसर पर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज और आर्य कन्या इंटर कॉलेज कोटद्वार की छात्रों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस मौके पर आयोजित कबड्डी अंडर-14 बालिका वर्ग में खिर्सू ने पोखड़ा, नैनीडांडा ने दुगड्डा व अंडर-19 बालक वर्ग में दुगड्डा ने रिखणीखाल व यमकेश्वर ने नैनीडांडा को पराजित किया। शरदकालीन खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ विधायक प्रतिनिधि व जयहरीखाल के ब्लॉक प्रमुख रणवीर सजवाण ने किया। मुख्य अतिथि रणवीर सजवाण ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिक का निवास होता है, स्वस्थ शरीर हेतु खेलों का होना जरुरी है। क्रीड़ा स्थल संयोजक मुकेश रावत ने मुख्य अतिथियों व खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि विद्यार्थियों में पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी प्रवीणता होनी भी आवश्यक है। अंडर- 17 खो-खो बालक वर्ग में द्वारीखाल विकासखंड ने जयहरीखाल को व

आयोजित प्रतियोगिता के शुभारंभ मार्चपोस्ट करते खिलाड़ी

यमकेश्वर ने नैनीडांडा को हराया, जबकि अंडर-17 बालिका वर्ग में दुगड्डा विकासखंड ने बीरोंखाल, पोखड़ा ने कोट, एकेश्वर ने बीरोखाल व कल्जीखाल ने कोट को हराया। अंडर-14 बालिका वर्ग बालीवाल में पौड़ी ने दुगड्डा व अंडर-17 बालिका वर्ग में दुगड्डा ने यमकेश्वर को पराजित किया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी वर्षा भारद्वाज, मंडल मंत्री मनमोहन चौहान, जिला मंत्री बिजेंद्र बिष्ट, स्थल संयोजक मुकेश रावत, गिरीश खर्कवाल, परितोष रावत, कुलदीप मैंदोला, प्रणव रावत, प्रधानाचार्य बबीता ध्यानी, अभिभावक संघ अध्यक्ष महेन्द्र अग्रवाल, विनोद पंत, पूरन रावत, प्रभाकर रावत, धर्मेन्द्र शाह, सूरज रमोला, राकेश भट्ट, बीरेंद्र तनवर आदि मौजूद थे।

खेलकूद प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने दिखाया दम, 250 विद्यार्थियों ने किया प्रतिभाग

अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज बल्ली में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : न्याय पंचायत उतिच्छा, दुगड्डा की न्याय पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के करीब 250 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। दौड़ प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज बल्ली के खेल मैदान में आयोजित प्रतियोगिताओं का शुभारंभ पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य जगदीश प्रसाद बेबनी ने किया। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ उनके सर्वांगीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने छात्र-छात्राओं से खेल भावना के साथ प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने का आह्वान किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य युगजीत चंद्र सेमवाल ने कहा कि प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलों के प्रति जागरूक करना और उनकी खेल प्रतिभा को सामने लाना है। प्रतियोगिता के अंडर-19 बालिका वर्ग की 400 मीटर दौड़ में अंबिका रावत ने प्रथम, नैन्सी भंडारी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 800 मीटर दौड़ में जान्हवी ने प्रथम, नैन्सी ने द्वितीय और सिया ने तृतीय स्थान हासिल किया। 1500 मीटर दौड़ में मानसी ने प्रथम और खुशी नेगी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं 3000 मीटर दौड़ में जान्हवी ने प्रथम, मानसी ने द्वितीय और सुहानी ने तृतीय स्थान हासिल किया। इस अवसर पर पूर्व पीटीए अध्यक्ष दरबान सिंह, सुषमा रावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

उत्तराखण्ड शासन

"भारत रत्न"
पंडित गोविन्द बल्लभ पन्त

(10 सितम्बर 1887 - 7 मार्च 1961)

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं कुशल प्रशासक की जयंती पर

उत्तराखण्ड वासियों की ओर से शत शत नमन

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी

www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

शतरंज में अथर्व व शिवांश शर्मा रहा विजेता

आयोजित प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते खिलाड़ी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : बलूनी माइंड मास्टर्स के तहत विद्यालयों के लिए अंतरविद्यालयी शतरंज एवं कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। शतरंज और कैरम के फाइनल मुकाबले रोमांचक रहे।

बलूनी ग्रुप ऑफ एजुकेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर विपिन बलूनी ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। शतरंज के सीनियर बालक वर्ग में बलूनी पब्लिक स्कूल के अथर्व ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि कांवेंट के शिवांश शर्मा उपविजेता रहे। सीनियर बालिका वर्ग में हेरिटेज की स्वर्णिमा नेगी विजेता और बलूनी पब्लिक स्कूल की स्वर्णिमा रावत उपविजेता रहीं। जूनियर बालक वर्ग में कांवेंट के श्रियान्शु कुक्शाल ने बाजी मारी, जबकि एसजीआरआर के शाश्वत नेगी दूसरे स्थान पर रहे। जूनियर बालिका वर्ग में बलूनी पब्लिक स्कूल की सौम्या खबंदा विजेता और हेरिटेज की अदीता रावत उपविजेता रहीं। कैरम के जूनियर बालक वर्ग में बलूनी पब्लिक स्कूल के आयुष कोटनाला विजेता और नवयुग के प्रतीक उपविजेता रहे। सीनियर बालक वर्ग में नवयुग के अभय रावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि टीसीजी के अंकुर शाह उपविजेता रहे। जूनियर बालिका वर्ग में बाल भारती की नाविका विजेता और टीसीजी की लक्ष्याक्षा भंडारी उपविजेता रहीं। वहीं, सीनियर बालिका वर्ग में टीसीजी की आयुषी ने विजेता का खिताब जीता और नवयुग की ज्योति गौर उपविजेता रहीं। पारितोषिक वितरण समारोह में राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम के बाक्सिंग कोच नितिन नेगी एवं बलूनी पब्लिक स्कूल की निदेशिका अभिलाषा भारद्वाज ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यालय नगर पंचायत सतपुली, पौड़ी गढ़वाल

संख्या-407/ न0प0स0/2026-27/नि0सू0/ दिनांक 09 सितम्बर 2026

निविदा सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत रातपुली के द्वारा अपने पंजीकृत ठेकेदारों से नगर पंचायत सतपुली के अन्तर्गत विभिन्न वार्डों में होने वाले निर्माण कार्यों की निविदायें दिनांक 23.09.2026 को 3.00 बजे साय तक आमंत्रित की जाती है। जो कि दिनाक 23.9.2026 को रामय 4.00 बजे अपराह्न को निविदादाताओं एवं अधोहस्ताक्षरी / गठित चयन समिति के सम्मुख खोली जायेगी, निविदा प्रपत्र दिनांक 22.9.2026 को साय 4 बजे तक निर्धारित निविदा मूल्य अदा कर क्रय किये जा सकतें है। कार्य की निविदा के साथ कार्य की लागत का 3% प्रतिशत धनराशि बतौर धरोहर के रूप में सी0डी0आर0/एफ0डी0आर0 जो कि अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत सतपुली के नाम बन्धक हो लगानी अनिवार्य होगी। बिना घरोहर धनराशि वाली निविदा पर किसी भी प्रकार से कोई विचार नहीं किया जायेगा। किसी भी निविदा या समस्त निविदा को बिना किसी कारण बताये निरस्त / स्थागित करनें का अधिकार अधोहस्ताक्षरी / गठित चयन समिति को सुरक्षित रहेगा। अन्य शर्त व सूचना को किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय मे देखी जा सकती है।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की आंगणन की लागत जी0एस0टी0 सहित	धरोहर धनराशि	वैधता	निविदा मुल्य 18 प्रतिशत जी0एस0टी0	पंजीयन श्रेणी
1	नगर पंचायत सतपुली के वार्ड नंबर 01 में श्री हरीश गुसाई के घर से सिध्दी देवी के घर से होते हुए एनएच तक पीवीसी पाइप द्वारा जल निकासी कार्य।	रू 1.31 लाख	-	45	1180/- G.S.T	सी0
2	नगर पंचायत सतपुली के अंतर्गत वार्ड नंबर 01 में सेंट पॉल स्कूल रोड से नगर पंचायत कार्यालय भवन तक खुली नाली पर जाली लगाने का कार्य	रू 8.15 लाख	24,450/-	45	2360/- G.S.T	बी0
3	नगर पंचायत सतपुली के अंतर्गत वार्ड नं0 04 में स्व0 श्री चंद्र सिंह के घर के सामने से श्री संजय सिंह के घर के पीछे से होते हुए NH ए तक सी सी मार्ग पुश्ता एवं रेलिंग कां निर्माण का कार्य	रू 12.36 लाख	37080/-	45	3540/- G.S.T	ए0

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत सतपुली

अध्यक्ष
नगर पंचायत सतपुली
पौड़ी गढ़वाल

प्रतियोगिताओं में जशोधरपुर के होनहारों ने लहराया परचम

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : विद्या भारती से संबद्ध महादेव सरस्वती शिशु विद्या मंदिर हाईस्कूल जशोधरपुर के छात्र-छात्राओं ने राज्य स्तरीय क्रीड़ा एवं बौद्धिक प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को समारोह के दौरान सम्मानित किया गया। आयोजित प्रतियोगिता में पौड़ी सम्भाग के छह संकुलों से 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। बौद्धिक वर्ग में जशोधरपुर विद्यालय के विद्यार्थियों ने कई प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान हासिल किया। कथा-कथन में कक्षा आठ की कृष्टीना रावत, गीत में कक्षा आठ की कृतिका, विज्ञान प्रदर्श में कक्षा सात की अदिति रावत और विज्ञान प्रयोग में ऋषभ सिंह ने बाजी मारी। इसी क्रम में सांस्कृतिक प्रश्न मंच प्रतियोगिता में कक्षा छह की कृतिका, कक्षा सात की अदिति और कक्षा आठ की आयुषी ने प्रथम स्थान हासिल

किया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है। क्रीड़ा वर्ग में भी विद्यालय के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। शिशु वर्ग में वंशिका ने चक्का फेंक और 400 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा पांच के सक्षम ने चक्का फेंक तथा शिवांश ने 400 मीटर दौड़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने सभी विजेता और प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित भी किया गया।

जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र बनाने की प्रक्रिया सरल की जाएं

श्रीनगर गढ़वाल : जिला कांग्रेस कमेटी देवप्रयाग ने उपजिलाधिकारी कीर्तिनगर के माध्यम से जिलाधिकारी टिहरी को ज्ञापन भेजकर जन्म और मृत्यु प्रमाणपत्रों के रजिस्ट्रेशन में आ रही दिक्कतों को दूर करने की मांग की है। जिलाध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल ने बताया कि केंद्र सरकार के विधि एवं न्याय मंत्रालय के संशोधन के बाद दो वर्ष से लंबित मामलों में न्यायिक मजिस्ट्रेट का आदेश अनिवार्य कर दिया गया है, जिससे पूर्व में तहसीलदार और उपजिलाधिकारी के स्तर से होने वाले निस्तारण की व्यवस्था बदल गई है। इस नई प्रक्रिया के कारण ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को वकीलों की फीस और न्यायालय के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। कांग्रेस ने आम जनता को राहत देने के लिए प्रमाणपत्र रजिस्ट्रेशन की पुरानी और सरल व्यवस्था फिर से बहाल करने की मांग की। (एजेंसी)

ट्रैप कैमरे में दिखा भालू, सिदेली में लगाया पिंजरा

पोखरी। विकासखंड पोखरी के भालू प्रभावित क्षेत्र में वन विभाग ने पिंजरा लगा दिया है। वहीं भालू की गतिविधि जांचने के लिए लगाए ट्रैप कैमरे में एक बार भालू दिखा है।

बीते शुक्रवार को ग्राम पंचायत नैल के सिदेली गांव में भालू के हमले में दो महिलाओं की मौत हो गई थी। जीआईसी गोदली जा रहे 15 छात्र–छात्राओं के सामने दो शावकों के साथ एक भालू आ गया था और सभी बच्चे घर की ओर भाग गए थे। घटना के बाद वन विभाग ने इस क्षेत्र में भालू की गतिविधि चेक करने के लिए क्षेत्र में ट्रैप कैमरे लगाए। इन कैमरों में भालू की गतिविधि देखी

गई है। वहीं वन विभाग ने सिदेली में घटना वाले स्थान पर पिंजरा लगा दिया है। वहीं वन विभाग ने गश्ती दल को क्षेत्र में तैनात किया। फॉरेस्टर मनमोहन सिंह बर्त्वाल के नेतृत्व में तैनात टीम भालू प्रभावित क्षेत्र में गश्त कर रही है। वहीं नागनाथ रेंज के वन क्षेत्राधिकारी कपिल गुसांई का कहना है कि भालू प्रभावित क्षेत्र में पिंजरा लगा दिया गया है। क्षेत्र में टीम लगातार गश्त कर रही है।

कॉलेज में तमंचा लेकर घुसा युवक, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

हल्द्वानी ,एमबीपीजी कॉलेज में बुधवार को एक युवक देसी तमंचा लेकर घुस गया। आरोप है कि उसने उपाध्यक्ष पद पर चुनाव की तैयारी कर रहे एमए प्रथम वर्ष के छात्र वशिष्ठ कुमार पर तमंचा तानकर जान से मारने की धमकी दे डाली। मौके पर मौजूद छात्रों ने आरोपी को पकड़कर तमंचा छीना और प्राचार्य कार्यालय ले गए। सूचना पर पुलिस पहुंची। वहीं नाराज छात्रों ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए हंगामा किया और चौकी पर भी पहुंचे। कॉलेज प्रशासन और छात्र नेता की तरफ से पुलिस को तहरीर दी गई है।

वशिष्ठ कुमार ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 11:30 बजे

वह कॉलेज परिसर में भूगोल विभाग के पास छात्रों से कन्वेंसिंग कर रहे थे। इस दौरान प्रतिद्वंदी प्रत्याशी अपने साथियों के साथ वहां पहुंचा और तमंचा उसकी कमर पर लगाते हुए धमकी दे डाली। आरोप है कि युवक ने कहा कि अगर वह छात्र संघ चुनाव से अपना नाम वापस नहीं लेते हैं और प्रचार–प्रसार बंद नहीं करते तो उन्हें व उनके समर्थकों को जान से मार दिया जाएगा। इसके बाद अचानक हंगामा शुरू हो गया। मौके पर मौजूद कुछ छात्र नेताओं ने आरोपी युवक को पकड़ा और उसके हाथ से तमंचा छीना। इस दौरान कॉलेज में अफरा–तफरी मच गई। सूचना पर कॉलेज प्रशासन और पुलिस पहुंचे। आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पुलिस चौकी पहुंची तब नाराज छात्र वहां भी पहुंच गए। पुलिस के समझाने पर छात्र तहरीर देकर वापस लौटे।

विज्ञान प्रदर्शनी में 140 प्रोजेक्ट का चयन

ज्योतिर्मठ। ज्योति विद्यालय ज्योतिर्मठ में बुधवार को वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने 300 से अधिक प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। उत्कृष्ट 140 का चयन अगले चरण के लिए किया गया।

विद्यालय में आयोजित का उद्घाटन विद्यालय के प्रबंधक रेवरेंड फादर जिम्मी और प्रधानाचार्य रेवरेंड सिस्टर दीप्ति ने किया। जिन प्रोजेक्टस का चयन नहीं हो पाया उनकी विद्यालय सभागार में प्रदर्शनी लगाई गई। इसमें विद्यार्थियों की रचनात्मकता, वैज्ञानिक सोच, नवाचार व हस्तकौशल देखने को मिला। छात्रों ने विज्ञान के विभिन्न आयामों को रोचक व अभिनव ढंग से प्रस्तुत किया। विद्यालय के प्रबंधक फादर जिम्मी ने कहा कि नवाचार की असली शक्ति जिज्ञासू मन और सृजनात्मक हाथों में होती है। इस दौरान रश्मि त्यागी, निर्णायक मंडल में पीजी कॉलेज ज्योतिर्मठ की सहायक प्राध्यापिका डॉ. कविता रावत मौजूद रही।

बदहाल बना नृसिंह मंदिर मार्ग, लग रहा जाम

ज्योतिर्मठ। बदरीनाथ धाम जाने वाला बाईपास मार्ग बदहाल बना हुआ है। कीचड़ से भरी और उबड़ खाबड़ सड़क पर वाहनों का संचालन मुश्किल हो रहा है। वहीं अब बदरीनाथ धाम की यात्रा फिर से बढ़ जाएगी। ऐसे में यहां जाम की स्थित उत्पन्न हो सकती है।

नृसिंह मंदिर मार्ग पर इन दिनों सुरक्षात्मक कार्य किए जा रहे हैं। इस कारण कार्यदायी संस्था की बड़ी–बड़ी मशीनें सड़क किनारे खड़ी हैं। लगातार चल रहे भारी वाहनों, सुरक्षात्मक कार्यों व बरसात के चलते सड़क की स्थिति दयनीय हो गई है। गड्ढे व मिट्टी होने से वाहनों के टायर धंस रहे हैं। सड़क पर बार–बार जाम लग रहा है। इसी मार्ग से यात्री वाहन बदरीनाथ धाम की ओर जाते हैं। अब बरसात कम होते ही यात्रा तेज हो जाएगी। ऐसे में इस मार्ग पर जाम की समस्या उत्पन्न हो सकती है। अंती प्रकाश शाह का कहना है कि बदरीनाथ धाम की यात्रा तेज होने लग गई है

लेकिन नृसिंह मंदिर मार्ग बदहाल बना है। सुरक्षात्मक कार्य कर रही कंपनी का सामान जगह–जगह सड़क किनारे पड़ा है। इससे यहां जाम की समस्या हो रही है। इस मामले में उपजिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ठ का कहना है कि नगर में सुरक्षात्मक कार्य कर रही कंपनी को मार्ग दुरुस्त करने के निर्देश दिए जाएंगे। जल्द मार्ग ठीक करवा लिया जाएगा।

एक नजर

सड़क तक पहुंचने के लिए चार किमी की दूरी तय कर रहे लोग

उत्तरकाशी। डुंडा का छमरौली गांव के लोगों को आज भी सड़क तक पहुंचने के लिए तीन से चार किमी की दूरी तय करनी पड़ती है। ग्रामीणों ने कहा कि उनके गांव के लिए सड़क तो स्वीकृत कर दी गई लेकिन उसके बाद आगे किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई। इसको लेकर ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान कंचन देवी की अध्यक्षता में बैठक कर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी।

छमरौली गांव के ग्रामीणो ने गांव में सड़क समस्या को लेकर एक बैठक का आयोजन किया। प्रधान कंचन देवी, उपप्रधान रतनलाल भट्ट, मूर्तिराम नौटियाल, रामसागर, सुशील, रामस्वरूप, कालेश्वर मिश्रा का कहना है कि सड़क न होने के कारण आज भी उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

बैठक के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को एक ज्ञापन प्रेषित करते हुए कहा कि जब तक उनके गांव की सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू नहीं होती है तो उग्र आंदोलन करेंगे। चुनाव के समय जनप्रतिनिधियों की ओर से वोट मांगा जाता है। साथ ही सड़क निर्माण प्रक्रिया शुरू करवाने के वादे किए जाते हैं लेकिन उसके बाद उनकी ओर से दोबारा इस पर कभी बात नहीं की जाती है।

दस्तावेज न होने पर बदरीनाथ से 29 साधुओं को वापस भेजा

बदरीनाथ। वैध दस्तावेज न पाए जाने पर पुलिस ने बदरीनाथ धाम में रह रहे 29 साधुओं को लौटा दिया। पुलिस ने धाम में बाहर से आकर रहने वाले सभी लोगों से अनिवार्य रूप से सत्यापन कराने को कहा है। बदरीनाथ धाम में सुरक्षा व पवित्रता को देखते हुए पुलिस की ओर से धाम में "ऑपरेशन कालनेमि" के तहत वृहद सत्यापन अभियान चलाया गया। इस दौरान धाम में रह रहे 50 से अधिक साधू संतों का भौतिक सत्यापन किया गया। इसमें 29 साधुओं के पास वैध या पूर्ण दस्तावेज नहीं पाए गए। पुलिस ने मौके पर बस बुलाई और पुलिस की देख–रेख में सभी 29 श्रद्धालुओं को ऋषिकेश या हरिद्वार के लिए रवाना कर दिया। बदरीनाथ पुलिस ने बताया कि धाम में किसी भी व्यक्ति को बिना सत्यापन के नहीं रहने दिया जाएगा। यदि पहचान संबंधी दस्तावेज नहीं पाए जाते हैं तो उन्हें वापस भेज दिया जाएगा।

वन भूमि हस्तांतरण के लंबित प्रकरण करें हल : डीएम

नई टिहरी। वन भूमि हस्तांतरण के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए डीएम नितिका खंडेलवाल ने हस्तांतरण की कार्यवाही जल्द पूरी करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में सुप्रीम कोर्ट से मांगी गई जमीन संबंधी रिपोर्ट की समीक्षा करते हुए डीएम ने सभी एसडीएम को अभिलेखों की जांच कर 15 सितंबर तक सूचना उपलब्ध कराने को कहा है। बैठक में विधानसभा क्षेत्रों में सड़कों के नए निर्माण कार्यों के लिए वन भूमि हस्तांरण और क्षतिपूरक पौधरोपण की जानकारी भी ली गई। बताया गया कि टिहरी विधानसभा क्षेत्र के तहत नैर– पुजाल्डी मोटर मार्ग के नवनिर्माण कार्य के लिए क्षतिपूरक पौधरोपण के लिए 3.4296 हेक्टेयर वन भूमि के सापेक्ष सिविल भूमि वन विभाग के नाम हस्तांतरित किए जाने की कार्रवाई की जा रही है। धनोल्टी विधानसभा में कुखड़सारी से नकोट–चक्र भद्रीसेरा मोटर मार्ग के नवनिर्माण कार्य की भूमि हस्तांतरण प्रकरण में भी प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा गया।धनौल्टी क्षेत्र में मोटर मार्ग के नवनिर्माण कार्यों से संबंधित वन भूमि हस्तांतरण प्रकरणों पर भी चर्चा की गई।

15 दिन बाद खुली देवाल–खेता मानमती सड़क

देवाल। 15 दिन से बंद देवाल–खेता मानमती सड़क यातायात के लिए खोल दी गई है। इससे सुयालकोट घाटी के दस हजार लोगों ने राहत की सांस ली। मूसलाधार बारिश के कारण सुयालकोट में सड़क का एक बड़ा हिस्सा ध्वस्त हो गया था। इससे वाहनों की आवाजाही ठप हो गई थी। लोक निर्माण विभाग ने पोकलेन और जेसीबी से करीब 150 मीटर नई सड़क की कटिंग की। वहीं लोनिवि के अधिशासी अभियंता मनीष डोगरा ने बताया कि मंगलवार को सड़क खोल दी गई और वाहनों का संचालन शुरू हो गया है।

छारछुम पुल पर भारतीय गांव के नाम का बोर्ड लगाने पर नेपाल में विरोध

पिथारौगढ़। भारत और नेपाल के बीच रोटी–बेटी के रिश्तों को मजबूती देने के उद्देश्य से धारचूला के छारछुम में काली नदी पर बनाया गया पिथौरागढ़ जिले का पहला मोटर पुल आवाजाही शुरू होने से पहले ही विवाद में आ गया है। पुल पर लगाए गए स्वागत बोर्ड में भारतीय गांव छारछुम का नाम अंकित किए जाने पर नेपाल के नागरिकों ने आपत्ति जताई है। धारचूला के छारछुम गांव के पास काली नदी पर भारत और नेपाल को जोड़ने वाले मोटर पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। पुल पर जल्द आवाजाही शुरू कराने की तैयारी चल रही है। इसी क्रम में बीते दिनों लोनिवि की ओर से पुल के दोनों ओर स्वागत बोर्ड लगाए गए। इन बोर्डों पर भारतीय क्षेत्र के छारछुम गांव का नाम अंकित किया गया था। नेपाल की ओर लगे बोर्ड पर भी भारतीय गांव

का नाम लिखे होने पर वहां के नागरिकों ने आपत्ति जताई। उन्होंने नेपाल की ओर लगाए जाने वाले बोर्ड पर वहां के गांव असिगाड़ का नाम अंकित करने की मांग की है।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी दार्चुला के जिला अध्यक्ष राजेश सिंह सामंत ने बताया कि नेपाल की ओर लगाए गए स्वागत बोर्ड पर भारतीय गांव का नाम अंकित किया जाना उचित नहीं है। उन्होंने इस संबंध में दार्चुला के सीडीओ कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है।

बोर्ड पर भारतीय गांव छारछुम का नाम ढका

इस मामले को कुछ नेपाली नागरिक लिपुलेख और कालापानी के विवाद से जोड़कर भी देख रहे हैं। नेपाल लंबे समय से इन क्षेत्रों पर अपना दावा करता रहा है। पुल के बोर्ड को लेकर दोनों देशों के बीच आपसी रिश्तों में किसी तरह की खटास न आए इसके लिए भारतीय प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है। मामला संज्ञान में आने के बाद नेपाल की ओर लगे बोर्ड पर भारतीय गांव छारछुम का नाम ढक दिया गया है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार जल्द ही नेपाल की ओर नया स्वागत बोर्ड लगाया जाएगा जिस पर वहां के गांव असिगाड़ का नाम अंकित होगा।

दार्चुला के स्थानीय निवासियों से छारछुम मोटर पुल में नेपाल की तरफ लगे बोर्ड में भारतीय गांव का नाम अंकित करने की शिकायत दर्ज कराई है। मामले की भारतीय प्रशासन के अधिकारियों को सूचना दी गई है। जल्द ही इस मामले का समाधान निकाला जाएगा।

धूप–अगरबत्ती निर्माण का दे रहे प्रशिक्षण

रुद्रप्रयाग। आरसेटी की ओर से जखोली ब्लॉक के दरमोला गांव में 12 दिवसीय धूप एवं अगरबत्ती निर्माण का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 5 सितंबर से शुरू हुआ प्रशिक्षण 16 सितंबर तक चलेगा। प्रशिक्षण में 35 महिलाएं प्रतिभाग कर रही हैं। चंपावत से आई मास्टर ट्रेनर भावना जोशी महिलाओं को धूप, अगरबत्ती और संबंधित उत्पाद तैयार करने का तकनीकी प्रशिक्षण दे रही हैं। इसके साथ ही गुणवत्तापूर्ण सामग्री, पैकेजिंग और उत्पादों को स्वरोजगार के रूप में अपनाने की जानकारी दी जा रही है।

वहीं लीड बैंक अधिकारी अनूप सिंह ने बैंकिंग सेवाओं, वित्तीय साक्षरता और ऋण सुविधाओं की जानकारी दी। आरसेटी निदेशक अरुण कुमार ने संस्थान के प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में बताया।

यमुनोत्री हाईवे के 10 संवेदनशील स्थानों का होगा स्थायी उपचार

बड़कोट। यमुनोत्री धाम की यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए हाईवे चौड़ीकरण के साथ भूस्खलन प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्रों के स्थायी उपचार की कवायद तेज हो गई है। एनएच के चीफ इंजीनियर रणजीत सिंह रावत ने अधिकारियों के साथ यमुनोत्री हाईवे–94 और 507 का स्थलीय निरीक्षण कर चौड़ीकरण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने निर्माण एजेंसियों को तय समयसीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अभियंता मनोज रावत ने चौड़ीकरण कार्य में आ रही दिक्कतों और विभिन्न स्थानों पर कार्य की प्रगति से चीफ इंजीनियर को अवगत कराया। उन्होंने पालीगाड़ से जानकीचट्टी के बीच चिह्नित 10 भूस्खलन एवं संवेदनशील स्थानों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। इन स्थानों के स्थायी उपचार के लिए टीएचडीसी से वार्ता चल रही है। टीएचडीसी की ओर से इन प्वाइंटों की डीपीआर तैयार की जाएगी जिससे समस्या का स्थायी समाधान किया जा सके। वहीं सारीगाड़ में चौड़ीकरण से

प्रभावित कंडारी मोटर मार्ग की मरम्मत के लिए पीएमजीएसवाई को पत्र भेजा गया है। एस्टीमेट स्वीकृत होने के बाद क्षतिग्रस्त सड़क को दुरुस्त कराया जाएगा। नौगांव–सौली के सिंकिंग जोन को लेकर भू–वैज्ञानिक रिपोर्ट का इंतजार है। रिपोर्ट मिलने के बाद ही उपचार की दिशा तय होगी। चीफ इंजीनियर ने अधिकारियों को यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सभी कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने के निर्देश दिए।

20 सहकारी समितियों की एडीएम ने जारी की आरसी

नई टिहरी। सहकारी समितियों की बकाया वसूली न होने पर जिला प्रशासन ने कड़ा रूख अपनाया है। समय पर वसूली नहीं होने पर एडीएम शैलेन्द्र सिंह नेगी ने चार ब्लॉकों की 20 सहकारी समितियों के खिलाफ आरसी जारी कर दी है। समितियों से जुड़े 349 सदस्यों पर 221.26 लाख रुपये की बकाया राशि है। प्रतापनगर ब्लॉक क्षेत्र की समितियों में सबसे अधिक बकायेदार है। सहायक निबंधक सहकारी समितियां पान सिंह राणा की रिपोर्ट पर जिला प्रशासन ने की ओर से यह कार्रवाई की गई। चंबा ब्लॉक की सात, जाखणीधार की दो, थौलधार की एक और प्रतापनगर ब्लॉक की 10 समितियां कार्रवाई के दायरे में हैं। एडीएम नेगी ने कहा कि बकाया वसूली में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अन्य सहकारी समितियों के बकायेदारों को आगामी अक्टूबर माह तक राशि जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। कहा समय पर भुगतान नहीं करने वालों के खिलाफ भी आरसी जारी की जाएगी।

हाईकोर्ट के आदेश के बाद जल संस्थान ने खोले कंट्रोल रूम

नैनीताल। उच्च न्यायालय नैनीताल के आठ सितंबर को दिए गए निर्देशों के क्रम में उत्तराखंड जल संस्थान ने नैनीताल शाखा के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल और सीवरेज संबंधी शिकायतों के निवारण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित किए हैं। विभाग ने उपभोक्ताओं से पेयजल व्यवस्था में किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल संबंधित शिकायत निवारण केंद्र अथवा विभागीय अधिकारियों को सूचना देने की अपील की है।

अधिशासी अभियंता अनीश पिल्लई ने बताया कि शिकायतें संबंधित सहायक अभियंता, अपर सहायक अभियंता, कनिष्ठ अभियंता या अधिशासी अभियंता को भी दी जा सकती हैं। नैनीताल नगर क्षेत्र के लिए मुख्य पंपहाउस, मल्लीताल स्थित कंट्रोल रूम का फोन नंबर 05942–235097 और विभागीय टोल फ्री नंबर 18001804100 है।

हर साल विश्व के ग्लेशियरों से पिघल रही है 20 हजार टन बर्फ

अल्मोड़ा , पर्यावरण असंतुलन और मानवीय दबाव हिमालय पर बुरा असर डाल रहा है। वैज्ञानिकों ने इसकी पुष्टि की है। इन कारणों के चलते हिमालयी ग्लेशियरों से बर्फ पिघलने की रफ्तार बेहद तेज हो गई है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि विश्व के ग्लेशियरों से हर साल 20 हजार टन बर्फ पिघल रही है और ये तेजी से गायब हो रहे हैं।

अल्मोड़ा के जीबी पंत हिमालयी पर्यावरण संस्थान के वैज्ञानिकों ने इसकी पुष्टि की है। पर्यावरण से जुड़े वैज्ञानिकों ने भी इस पर गहरी चिंता जताई है। वैज्ञानिकों के मुताबिक वर्ष 1985 से 2002 तक ग्लेशियरों से बर्फ पिघलने की रफ्तार तीन गुना बढ़ी है। इसके बाद इसकी रफ्तार और तेज होने की संभावना है। जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयन पर्यावरण संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. सुनील नौटियाल ने कहा कि आज

पर्यावरण असंतुलन के नकारात्मक प्रभाव सामने आ रहे हैं।

विश्व भर में जनसंख्या बढ़ने, भौतिक संसाधनों के उपयोग और हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ते मानवीय दबाव से तापमान बढ़ गया है। इसका प्रभाव ग्लेशियरों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व में किए गए शोध में सामने आया कि वर्ष 1975 से 1985 के बीच ग्लेशियरों में हर साल सात अरब टन बर्फ पिघल रही थी, अब इसकी रफ्तार तीन गुना से अधिक बढ़ गई है। वर्ष 2000 से 2010 तक हर साल ग्लेशियरों से 20 अरब टन बर्फ पिघल रही थी, जो अब भी जारी है। बीते 40 वर्षों में ग्लेशियरों से 440 अरब टन बर्फ पिघल चुकी है, जो चिंताजनक है।

पिथौरागढ़ का ओम पर्वत भी बर्फ पिघलने से नजर आने लगा काला

पिथौरागढ़ जिले के धारचूला में उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित विश्व प्रसिद्ध ओम पर्वत से बर्फ पिघल चुकी है और यह काला नजर आ रहा है। हालात यह है कि वर्तमान में इसकी पहचान ओम की आकृति पूरी तरह गायब हो चुकी है। ऐसे में स्थानीय लोग भी हैरत में हैं। पिछले वर्ष भी ओम पर्वत से कुछ समय के लिए बर्फ पूरी तरह गायब हो गई थी और इस दौरान ओम की आकृति दिखाई देना बंद हो गया था। वर्ष 2024 में भी इस घटना के पीछे विशेषज्ञों और पर्यावरणविदों ने कम बर्फबारी, बढ़ते तापमान, वाहनों के प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसे कारण बताए थे।

योगाचार्य महेश सेमवाल को राष्ट्रीय स्तर पर मिला सम्मान

ऋषिकेश। योगाचार्य महेश सेमवाल को वैकल्पिक चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। लखनऊस्थित सहकारिता भवन में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में उन्हें डॉ. देवनाथ शुक्ला ने सम्मान प्रदान किया। योगाचार्य महेश सेमवाल इससे पहले भी योग एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए जिला और राष्ट्रीय स्तर पर कई सम्मान प्राप्त कर चुके हैं। पिछले वर्ष उन्हें योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रतिष्ठित योग रत्न सम्मान से भी नवाजा गया था। महेश सेमवाल ने श्री जय राम संस्कृत महाविद्यालय, ऋषिकेश के योग विज्ञान विभाग से योग एवं संस्कृत में मास्टर डिग्री प्राप्त की है। वह लंबे समय से योग, प्राणायाम, ध्यान और योग आधारित जीवनशैली के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का कार्य कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

टीवी एंकर चेंग लेई ने तीन साल जेल में गुजारा अमानवीय जीवन, अब पूरी दुनिया को कर रहीं आगाह

सिडनी, एजेंसी। चीन दुनियाभर में अपनी सौम्य और अच्छी छवि दिखाने की कोशिश करता है लेकिन लोगों को उसके दिखावटी चेहरे पर भरोसा करने के बजाय हकीकत की गहराई से पड़ताल करनी चाहिए। चीन ऐसा देश है जो अपने नागरिकों और विदेश में रहने वाले प्रवासियों को दुश्मन के तौर पर देखता है। यह कहना है चीनी-ऑस्ट्रेलियाई एंकर चेंग लेई का, जिन्हें महज एक मैसेज भेजने के कारण तीन साल चीन की जेल में बिताने पड़े थे। चीन में जन्मीं और ऑस्ट्रेलिया में पली बढ़ी चेंग लेई को बिना किसी ठोस कारण 1,154 दिन तक जेल में अमानवीय यातनाएं सहनी पड़े। चेंग लेई को अक्तूबर 2023 में चीन की जेल से रिहा किया गया था और अब वह ऑस्ट्रेलिया में बतौर एंकर काम कर रही हैं। लेकिन जेल से बाहर आने का मतलब यह नहीं है कि उनका संघर्ष खत्म हो गया है। उनका मानना है कि कैद का असर उनके जीवन पर हमेशा रहेगा और एक तरह से यह सजा रिहाई के बाद भी जारी है। तमाम मानसिक आघातों के बावजूद, लेई अब स्कूबा डाइविंग, कॉमेडी और थिएटर के जरिये जिंदगी को सामान्य बनाने की कोशिश कर रही हैं। जेल में बताए अपने अनुभवों के आधार पर वह चीन की सच्चाई पर पूरी दुनिया को आगाह कर रही हैं।

भारत-बांग्लादेश में जल्द बहाल होंगी ट्रेन सेवाएं: मैत्री, बंधन-मिताली एक्सप्रेस पर आज मंथन; नया रूट भी संभव

ढाका, एजेंसी। भारत और बांग्लादेश के बीच इस सप्ताह यात्री ट्रेन सेवाओं को फिर शुरू करने पर बातचीत होने जा रही, जो 2024 में शेख हसीना सरकार के पतन के दौरान हुई हिंसक अशांति के बाद से बंद पड़ी हैं। बांग्लादेश रेलवे के अधिकारी मंगलवार से ढाका में भारतीय समकक्षों के साथ दो दिवसीय इंटर-गवर्नमेंटल रेलवे मीटिंग (आईजीआरएम) करेंगे। इसमें मैत्री, बंधन और मिताली एक्सप्रेस को दोबारा शुरू करने के साथ ही एक नए रूट पर भी चर्चा होगी। मैत्री एक्सप्रेस ढाका को कोलकाता से, बंधन एक्सप्रेस खुलना को कोलकाता से और मिताली एक्सप्रेस पहले ढाका को न्यू जलपाईगुड़ी से जोड़ती थी। बांग्लादेश की ओर से राजशाही को कोलकाता से जोड़ने वाला नया रूट प्रस्तावित किए जाने की संभावना है। साथ ही मैत्री एक्सप्रेस को जमुना पुल के बजाय नवनिर्मित पद्मा पुल से चलाने का भी प्रस्ताव आ सकता है। अधिकारी के अनुसार दोनों पक्षों की सहमति बनी तो अगले महीने से सेवाएं फिर शुरू हो सकती हैं। हालांकि, अंतिम फैसला दोनों देशों के राजनीतिक नेतृत्व को लेना होगा।

लेबनान में इस्राइली हमले में 12 की मौत: हूती लड़ाकों का दावा- सऊदी विमान गिराया; प. एशिया में क्या हैं हालात

दुबई, एजेंसी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि दक्षिणी इलाके के एक गांव पर इस्राइली हवाई हमलों में 12 लोगों की मौत हुई है। इनमें दो बच्चे भी शामिल हैं।इस बीच, ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के एक टोही विमान को मार गिराने का दावा किया है। पिछले हफ्ते सऊदी अरब के एक टैंकर पर हमला हुआ था। उसके चालक दल के सात सदस्य अब भी लापता बताए जा रहे हैं। इस्राइल ने सोमवार तड़के दक्षिणी लेबनान के कफर रुमान गांव पर हवाई हमले किए। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हमले में कम से कम 12 लोगों की मौत हुई। इनमें एक पैरामेडिक, चार महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। यह हमला इस्राइल और ईरान समर्थित हिजबुल्ला के बीच बढ़े तनाव के बीच हुआ। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने हिजबुल्ला के कई लड़ाकों को निशाना बनाया। सेना के अनुसार, ये लोग कफर रुमान में हथियार पहुंचा रहे थे। सेना ने यह भी कहा कि वह इस दावे की जांच कर रही है कि रात के हमलों में कई आम लोग घायल हुए। इस्राइल के अनुसार, ये हमले हिजबुल्ला के उन लड़ाकों के जवाब में किए गए, जिन्होंने इलाके में सैनिकों पर विस्फोटक ड्रोन से हमला किया था। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सोमवार को दावा किया कि उन्होंने उत्तरी यमन में सऊदी अरब का एक सशस्त्र टोही विमान मार गिराया। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सरी ने यह दावा किया। उन्होंने कहा कि विमान जौफ प्रांत के हवाई क्षेत्र में देखा गया था। उनके अनुसार, यह सऊदी अरब का विमान था और कथित तौर पर 'दुश्मनी की कार्रवाई' के लिए वहां आया था। इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। सऊदी अरब की ओर से भी तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। हूती प्रवक्ता ने कहा कि पिछले 24 घंटे में सऊदी अरब के कुल तीन टोही ड्रोन मार गिराए गए हैं। इनमें से एक सोमवार सुबह बायदा प्रांत में देखा गया था।

समुद्र में अमेरिका का कहर: इक्वाडोर का पांचवां जहाज डुबोया, 227 मौतों ने बढ़ाई चिंता

क्विटो, एजेंसी। अमेरिकी दक्षिणी कमान ने सोमवार को प्रशांत महासागर में इक्वाडोर के एक जहाज को डुबो दिया। अमेरिका का आरोप है कि यह जहाज अपराधी संगठन लॉस चोनेरोस से जुड़ा था। अमेरिकी कमान के मुताबिक, यह एक तैरता हुआ ईंधन केंद्र था। इसका इस्तेमाल समुद्र में नशीली दवाओं की तस्करी के अभियानों को मदद देने के लिए किया जा रहा था। कार्रवाई पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में हुई। जहाज पर मौजूद लोगों को पहले उतार लिया गया। अब उन्हें इक्वाडोर के अधिकारियों को सौंपा जाएगा।

अमेरिका ने कार्रवाई का वीडियो भी जारी किया : अमेरिकी दक्षिणी कमान ने कार्रवाई से जुड़ा एक वीडियो भी जारी किया। इसमें अमेरिकी सैन्यकर्मी एक जहाज पर चढ़ते दिख रहे हैं। इसके बाद ऊपर से एक हेलीकॉप्टर उड़ता नजर आता है। आखिर में एक प्रक्षेपास्त्र जहाज से टकराता है और वह समुद्र में डूब जाता है। अमेरिकी कमान ने कहा कि उसकी सेनाएं पश्चिमी गोलार्ध में नशीली दवाओं की तस्करी को बढ़ावा देने वाले लॉजिस्टिक नेटवर्क को खत्म करने के लिए सटीक और पेशेवर अभियान जारी रखे हुए हैं।

क्या पहली बार हुई ऐसी कार्रवाई : नहीं। यह दो हफ्ते से भी कम समय में अमेरिकी सेनाओं का पांचवां निशाना है। इससे पहले प्रशांत महासागर में मछली पकड़ने वाले

जहाज मारिया कैंडेलारिया को निशाना बनाया गया था। इक्वाडोर की नौसेना ने इस जहाज के 26 सदस्यों को खोज लिया। वे रविवार को बंदरगाह शहर मांटा पहुंचे। कॉन्क्विस्टा-2 के आठ मछुआरे भी मिल गए हैं। हालांकि, उनके परिवार देश की मुख्य भूमि पर उनकी जानकारी को लेकर चिंता जताते रहे।

मामले से जुड़ी बड़ी बातें : मारिया कैंडेलारिया: पिछले सप्ताह प्रशांत महासागर में इस जहाज को निशाना बनाया गया था। इक्वाडोर की नौसेना ने बाद में इसके 26 सदस्यों को खोज लिया।

कॉन्क्विस्टा-2: इस जहाज के आठ मछुआरे भी मिल गए हैं। उनके परिवार उनके ठिकाने की जानकारी मांग रहे थे।

ओएम-2 और लॉस ट्रेस हरमानोस: इन दोनों जहाजों के चालक दल का कहना है कि अमेरिकी कार्रवाई में उनके जहाज डुबो दिए गए।

तैरते ईंधन केंद्र: अमेरिकी कमान ने ओएम-2 और लॉस ट्रेस हरमानोस को कई जहाजों को अवैध ड्रग तस्करी में मदद देने वाले तैरते ईंधन केंद्र बताया है।

लॉस चोनेरोस कनेक्शन: अमेरिका का कहना है कि निशाना बनाए गए सभी जहाज लॉस चोनेरोस से जुड़े थे। अमेरिका इस संगठन को विदेशी आतंकवादी संगठन मानता है।

पुराने मामलों का विवाद: इस साल तीन अन्य जहाजों के इक्वाडोरियन चालक दल भी अमेरिकी सेनाओं द्वारा रोके जाने की बात कह चुके हैं। इनमें फियोरेला भी शामिल है, जिसके आठ मछुआरे जनवरी से लापता हैं। मौतों का आंकड़ा: एक साल से ज्यादा समय में कैरेबियन और प्रशांत क्षेत्र में नावों के खिलाफ अमेरिकी सरकार की 68 कार्रवाइयों में कम से कम 227 लोग मारे गए हैं। इन हमलों की वैधता और प्रभावशीलता पर सवाल उठे हैं।

क्या अमेरिका के दावे पर भी उठे सवाल : इन समुद्री हमलों की कानूनी वैधता और उनकी प्रभावशीलता पर आलोचक सवाल उठा रहे हैं। कम से कम एक मामले में इक्वाडोर के अधिकारियों ने कहा था कि हमले में बचे एक व्यक्ति के किसी आपराधिक गतिविधि में शामिल होने का उनके पास कोई सबूत नहीं था। इस बीच, इक्वाडोर के अधिकारियों ने नए डूबे जहाज की कार्रवाई पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। जहाज का नाम भी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

जमीन पर भी ऐसी कार्रवाई करने की तैयारी में अमेरिका : ट्रंप प्रशासन सहयोगी देशों के साथ ऐसे समझौते करने की कोशिश कर रहा है, जिससे अभियान को कई लैटिन अमेरिकी देशों की जमीन तक बढ़ाया जा सके। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने इस महीने पनामा यात्रा के दौरान कहा था कि कोलंबिया, ग्वाटेमाला और होंडुरास ने अपनी जमीन पर आपराधिक समूहों के खिलाफ संयुक्त अमेरिकी सैन्य अभियान की अनुमति देने पर सहमति जताई है। हालांकि, ग्वाटेमाला ने ऐसा कोई समझौता होने से इनकार किया है। इक्वाडोर ने मार्च में अमेरिका के साथ इसी तरह के संयुक्त अभियान शुरू किए थे।

अमेरिका में करना होगा उत्पादन': ट्रंप की कनाडा की विमान कंपनी को चेतावनी; ओटावा पर क्यों भड़का ईरान

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा की विमान कंपनी बॉम्बार्डियर को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने कहा कि अगर कंपनी अपने विमान बेचना चाहती है, तो उसे अपना उत्पादन अमेरिका में शुरू करना होगा। ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर लिखा, अमेरिका में बॉम्बार्डियर की बिक्री अब और नहीं। उनके उत्पाद इतने अच्छे नहीं हैं। उन्होंने कहा, उनकी (कनाडा) 50 फीसदी से ज्यादा कमाई अमेरिका से होती है। वे अमेरिकी खरीदारों, अमेरिकी कंपनियों, हवाई अड्डों और सेवाओं पर निर्भर हैं। वहीं, कनाडा पूरे अमेरिका में हमारे महान अमेरिकी बैंकों और कंपनियों को रोकता है।

ट्रंप ने अमेरिकी विमान कंपनी गल्फस्ट्रीम एयरोस्पेस का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कनाडा ने इस कंपनी को अपने बाजार में कारोबार करने से गलत तरीके से रोका है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, उन्होंने गल्फस्ट्रीम एयरोस्पेस को भी कनाडा में कारोबार करने से रोक दिया। यह पूरी तरह गलत और अनुचित है। वह दौर अब खत्म हो गया। उन्होंने कहा, अगर उन्हें हमारा बाजार चाहिए, तो उन्हें यहां उत्पादन करना होगा। अमेरिका को 'पिगी बैंक' समझना बंद करना होगा। इसके बाद ट्रंप ने कहा, 'अमेरिकी सामान खरीदें। अमेरिकी विमानों से उड़ान भरें। अमेरिकी शराब और पेय का आनंद लें। लेक अमेरिका में नौकायन करें। अमेरिका पहले।' ट्रंप का यह बयान दोनों देशों के बीच चल रहे व्यापार विवाद के बीच आया है। अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापार वार्ता टूटने के बाद तनाव बढ़ गया है। दोनों देशों ने एक-दूसरे के सामान पर जवाबी टैरिफ लगाने की धमकी भी दी है।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि उनका देश अमेरिका के साथ ऐसा लंबे समय का व्यापार समझौता चाहता है, जिससे दोनों देशों को फायदा हो। उन्होंने कहा कि कनाडा अपने कर्मचारियों, परिवारों और कारोबार के हितों की रक्षा करता रहेगा। कार्नी ने कहा, हम हमेशा कनाडा, कनाडाई कर्मचारियों और कनाडाई परिवारों के हित में खड़े होंगे। हम किसी आसान जीत या सिर्फ घोषणा की तलाश में नहीं हैं। हम ऐसा समझौता चाहते हैं, जो लंबे समय तक चले। ऐसा समझौता संभव है और यह दोनों के हित में है। कार्नी ने कहा कि ऐसा समझौता कनाडा के कर्मचारियों, परिवारों और कारोबार के साथ-साथ अमेरिकी उपभोक्ताओं, कारोबार और परिवारों के लिए भी फायदेमंद होगा। उन्होंने कहा कि कनाडा अब सिर्फ अमेरिका के अगले कदम का इंतजार नहीं करेगा।

यमन में जेल पर सऊदी हमले का आरोप: बच्चे समेत सात की मौत; हूतियों का दावा- लेंगे बदला; तनाव क्यों बढ़ा

काहिरा, एजेंसी। यमन के उत्तरी हिस्से में सोमवार को एक जेल पर हमला हुआ। हूती विद्रोहियों ने आरोप लगाया कि यह हमला सऊदी अरब ने किया। हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हुई। इनमें एक बच्चा भी शामिल है। कम से कम सात लोग घायल बताए गए हैं। घायलों में एक महिला भी है। हमला रणनीतिक रूप से अहम अल-जौफ प्रांत के हज्म शहर में स्थित सेंट्रल करेक्टिव फैसिलिटी पर हुआ। जेल की इमारत का एक हिस्सा हमले के बाद मलबे में बदल गया। जेल वार्डन के मुताबिक, 35 कैदी और पति से मिलने आई एक महिला मलबे में फंसे थे।

हूती स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता अनीस अल-असबही ने सऊदी अरब पर हमले का आरोप लगाया। हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारी ने भी सऊदी अरब पर हवाई हमले करने और जौफ में 'नरसंहार' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब ने एक निगरानी ड्रोन भी तैनात किया और भाड़े के लड़ाकों को अलग-अलग हथियार मुहैया कराए। सारी ने कहा, 'यमन के खिलाफ जारी सऊदी आक्रामकता का जवाब दिया जाएगा और उसे सजा मिलेगी।' सऊदी अरब के मीडिया मंत्रालय की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। नहीं। यमन युद्ध के दौरान जेलों और हिरासत केंद्रों पर पहले भी हमले हुए हैं। 2022 में सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के एक हमले में उत्तरी सादा प्रांत की एक हिरासत सुविधा निशाना बनी थी। इसमें कम से कम 87 कैदियों की मौत हुई थी और करीब 266 लोग घायल हुए थे। सितंबर 2019 में दक्षिण-पश्चिमी धमर प्रांत में हूतियों द्वारा संचालित हिरासत केंद्र पर हमला हुआ था। इसमें 100 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और दर्जनों घायल हुए थे। यमन में गृहयुद्ध 2014 में शुरू हुआ। तब हूती विद्रोही अपने उत्तरी गढ़ से आगे बढ़े और राजधानी सना पर कब्जा कर लिया। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को पहले दक्षिण और फिर सऊदी अरब में निर्वासन के लिए जाना पड़ा। सरकार को बहाल करने के लिए अगले साल सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने युद्ध में दखल दिया।

9/11 के 25 साल बाद खुली पुरानी फाइल: अल-कायदा नेता संग दिखा संदिग्ध, एफबीआई ने क्यों नहीं की कार्रवाई

इस्लामाबाद, एजेंसी। 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमलों के करीब 25 साल बाद ओमर अल-बायूमी को लेकर नए सवाल खड़े हुए हैं। बीबीसी की रिपोर्ट में ऐसे पुरानी वीडियो फुटेज सामने आए हैं, जिनमें बायूमी भविष्य के अल-कायदा नेता अनवर अल-अवलाकी के साथ नजर आ रहा है। एक फुटेज में दोनों सैन डिएगो के पास पेंटबॉल खेलते दिखते हैं। दूसरे वीडियो में बायूमी और अवलाकी एक-दूसरे को गले लगाते नजर आते हैं। खास बात यह है कि इन फुटेज को एफबीआई ने 9/11 हमलों के कुछ ही दिनों बाद हासिल कर लिया था।

पेंटबॉल वाले वीडियो में क्या दिखा : बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 1997 या 1998 की शुरुआत में बनाए गए वीडियो में बायूमी, अवलाकी और दूसरे लोग सैन्य अंदाज में पेंटबॉल

खेलते दिखते हैं। कुछ प्रतिभागियों ने सैन्य वर्दी जैसे कपड़े पहन रखे थे। लड़ाई के दौरान कुछ लोग 'अल्लाहु अकबर' भी चिल्लाते सुनाई देते हैं। एफबीआई अधिकारियों को जांच के दौरान बताया गया था कि इन पेंटबॉल सत्रों का इस्तेमाल कुछ लोग जिहाद की ट्रेनिंग के लिए करते थे। इसी फुटेज में सऊदी अरब के इस्लामिक अफेयर्स मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी की मौजूदगी भी बताई गई है। बायूमी और अवलाकी की नजदीकी वीडियो में साफ दिखाई देती है। फुटेज में सैन्य अंदाज वाले पेंटबॉल मुकाबले दर्ज हैं। कुछ लोगों के जिहाद प्रशिक्षण से जुड़े होने की बात एफबीआई तक पहुंची थी। बायूमी के सऊदी अधिकारियों से संपर्क भी सामने आया था।

बायूमी के पास ऐसा कौन सा सबूत मिला था, जिसने एफबीआई को चौंकाया : 21 सितंबर 2001 को ब्रिटेन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने बायूमी को गिरफ्तार किया था। तलाशी में हजारों दस्तावेज, तस्वीरें और कम से कम 80 वीडियो टेप मिले। इनमें एक नोटबुक का पन्ना खास था। उस पर एक विमान का चित्र बना था। साथ ही विमान की ऊंचाई और किसी लक्ष्य से उसकी दूरी से जुड़ी गणनाएं भी थीं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, 9/11 पीड़ित परिवारों की कानूनी टीम ने इसे बेहद अहम सबूत माना। टीम की सदस्य जोडी वेस्टब्रुक फ्लावर्स ने कहा, 'जब हमें पता चला कि यह क्या था, तो हमें लगा कि हमें उस सबूत का सबसे अहम टुकड़ा मिल गया है, जिसकी तलाश थी।' बाद में एक संघीय जज ने कहा कि यह दस्तावेज अपने चेहरे पर ही बायूमी को 9/11 हमलों की जानकारी से जोड़ता है। यही इस मामले का सबसे बड़ा सवाल है।

नेपाल जलप्रलय: 65 स्कूल कल से खुलेंगे, बच्चों को सदमे से निकालने की कोशिश; देश में 13वें दिन शोक

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में जल प्रलय के दो हफ्ते पूरे होने वाले हैं लेकिन नुवाकोट, रसुवा और आसपास के जिलों में जिन बच्चों ने बाढ़ का तांडव देखा या अपनों को खोया, वे एक अदृश्य डर से जूझ रहे हैं। कोई आधी रात को चौंककर उठ जाता है, कोई गुमसुम हो जाता है, तो कोई आपदा की याद दिलाने वाली किसी भी आवाज से सहम जाता है।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को फिर से बसाने की कवायद के बीच इन बच्चों को सदमे से बाहर लाने की कोशिशें भी जारी हैं। मेडिकल टीमें मानसिक सेहत सुधारने के लिए काउंसलिंग भी करा रही है। नुवाकोट के बिधुर में प्रशासन बुधवार से 65 स्कूलों को खोलने की

तैयारी भी कर रहा है। बाढ़ से पहले बिदुर में कुल 79 स्कूल चल रहे थे। बिदुर की डिप्टी मेयर प्रभा बोगटी ने कहा, स्कूल इस बात का बंदोबस्त करेंगे कि वे आसानी से अपनी कक्षाओं में शामिल हो सकें। इस बीच, आपदा के 13वें दिन नेपाल में राष्ट्रीय शोक मनाया गया। इस दौरान राष्ट्र ध्वज को आधा झुका दिया गया और दीये और मोमबत्तियां जलाकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। एजेंसी 2023 में भारत में सुरंग से 41 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाने वाले ऑस्ट्रेलियाई सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स चिलिमे जलविद्युत परियोजना की सुरंग में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं। उन्होंने कहा, नेपाल का अभियान सिलक्यारा से अधिक चुनौतीपूर्ण है, क्योंकि यहां एक साथ कई स्थानों पर बचाव कार्य चल रहा है। महराजगंज, कुशीनगर समेत कई सीमावर्ती इलाकों में बाढ़ जैसे हालात के कारणमादा क्यूलेक्स मच्छर के पनपने और अंडों को सुरक्षित रखने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन गई हैं। नेपाल आपदा ने भारत के पूर्वी सीमांत क्षेत्रों में जापानी इंसेफेलाइटिस के लिए जमीन तैयार कर दी है। अगर निवारक उपायों की दिशा में मजबूत कदम नहीं उठाए गए तो लोगों को दुष्परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। आपदा से महराजगंज और कुशीनगर समेत कई इलाकों में महीनों दल-दल बने रहने की संभावना है। प्रभावित क्षेत्रों में अब हाईग्रेड फीवर के मरीज भी लगातार बढ़ रहे हैं जिसे जापानी इंसेफेलाइटिस का संकेत माना जाता है। ऐसे में ग्रामीणों ने गहरी चिंता जताई है। महराजगंज के सेहगीबर्वा निवासी रामधारी निशाद, कुशीनगर के तमकोही राज निवासी लौकेश और पीपरी घाट निवासी उज्वल सिंह कहते हैं बाढ़ का दूषित पानी गांव के किनारे तक पानी पहुंच गया है।

ईरान से युद्ध जीतते ही तेल होगा सस्ता': ट्रंप बोले- दो डॉलर से कम होगी गैस; एर्दोगन ने इस्राइल को कैसे घेरा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध में अमेरिका की जीत के बाद तेल की कीमतों में तेज गिरावट आएगी। ट्रंप ने सोमवार को अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर लिखा कि युद्ध जीतने के बाद तेल की कीमतें तेजी से गिरेंगी। उन्होंने कहा कि गैस की कीमत पहले तीन डॉलर प्रति गैलन तक आ सकती है और अंततः दो डॉलर प्रति गैलन से भी नीचे जा सकती है। ट्रंप ने यह भी दोहराया कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देगा। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकर गालिबाफ ने अमेरिका को ईरान की ऊर्जा सुविधाओं पर किसी भी कार्रवाई के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि ईरान का तेल और गैस उत्पादन तंत्र काफी फैला हुआ है और उसकी सुरक्षा आसान नहीं है। गालिबाफ ने कहा, 'हमारी संपत्तियों पर हमला करेंगे तो आप पर भी हमला होगा। हम यह पहले ही साबित कर चुके हैं। उन ठिकानों से पूछिए, जो अब काम करने लायक नहीं बचे।' यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी अधिकारियों की ओर से ईरान के तेल टैंकरों को निशाना बनाने की धमकी दी जा रही है।

अमेरिका ने ईरान के तेल टैंकरों को लेकर क्या कहा : अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा कि अगर ईरान अमेरिकी जहाजों पर हमला करता है तो अमेरिका उसके तेल टैंकरों को नष्ट कर देगा। उन्होंने दावा किया कि ईरान के पास न नौसेना बची है और न वायुसेना। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने तीन ईरानी कच्चे तेल के टैंकरों पर हमले का वीडियो भी साझा किया। कमांड के मुताबिक, ये टैंकर अरबों डॉलर के उस नेटवर्क का हिस्सा थे, जिससे ईरान का रिवोल्यूशनरी गार्ड और उसके क्षेत्रीय सहयोगी आर्थिक मदद हासिल करते हैं। सेंटकॉम कमांडर

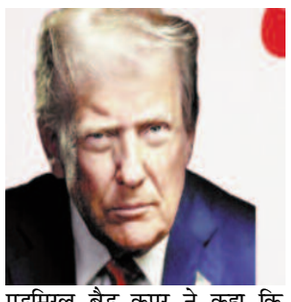

एडमिरल ब्रैड कूपर ने कहा कि अमेरिकी जहाजों पर हमला हुआ तो ईरान की तेल आपूर्ति पर और बड़ी आर्थिक कीमत थोपी जाएगी।

दूसरी ओर, तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोगन ने इस्राइल पर मध्य पूर्व में संघर्ष भड़काने और शांति प्रयासों को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस्राइल की कार्रवाई के कारण जून में ईरान और अमेरिका के बीच हुआ 14 सूत्री इस्लामाबाद समझौता पटरी से उतर गया। एर्दोगन ने कहा कि इस युद्ध की कीमत सिर्फ ईरान और खाड़ी देशों को नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को चुकानी पड़ रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक शांति को खतरे के रूप में देखने वाली सोच नहीं बदलेगी, तब तक क्षेत्र में संकट खत्म नहीं होगा। समझौते में सैन्य कार्रवाई रोकने, होर्मुज जलडमरूमध्य से वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षित आवाजाही, प्रतिबंधों में राहत और ईरान के लिए कम से कम 300 अरब डॉलर के अमेरिकी समर्थित आर्थिक विकास कार्यक्रम जैसे प्रावधान शामिल थे। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि ईरान की सरकार का अंत करीब है। उन्होंने कहा कि ईरानी शासन कमजोर है और अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहा है। नेतन्याहू ने यह भी कहा कि इस्राइल खुद की रक्षा करने और अपने दुश्मनों पर हमला करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने विरोधियों को चेतावनी दी।

एफिल टावर में महिला कर्मचारियों को हटाने पर विवाद: बीएपीएस ने जताया खेद, कहा- किसी को अंदर जाने से नहीं रोका

पेरिस, एजेंसी। एफिल टावर में महिला कर्मचारियों को हटाए जाने के विवाद के बीच बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) ने आज सफाई देते हुए कहा है कि उसके प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान किसी को भी स्मारक में प्रवेश से नहीं रोका गया था। बीएपीएस ने कहा कि बड़े प्रतिनिधिमंडल को देखते हुए दौरा एफिल टावर की टीम के साथ समन्वय कर सुबह के शुरुआती समय में रखा गया था, ताकि दूसरे पर्यटकों को कम परेशानी हो। हालांकि, संगठन ने स्थिति से किसी को हुई तकलीफ के लिए दिल से माफी मांगी और आपसी सम्मान व सेवा के मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। वहीं, महिला कर्मचारियों को ड्यूटी से हटाने के आरोपों के बाद एफिल टावर के कर्मचारियों ने विरोध किया, प्रबंधन से माफी और जांच की मांग की तथा पेरिस के मेयर ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

बड़े प्रतिनिधिमंडल की वजह से खास व्यवस्था : बीएपीएस के मुताबिक, प्रतिनिधिमंडल की संख्या काफी ज्यादा थी। इसी वजह से एफिल टावर की टीम के साथ समन्वय करके यह दौरा आम लोगों के लिए स्मारक खुलने के समय के शुरुआती हिस्से में रखा गया था, ताकि दूसरे पर्यटकों को कम से कम परेशानी हो और उनकी आवाजाही प्रभावित न हो। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि उसकी जानकारी के अनुसार, दौरे के दौरान किसी भी समय किसी को एफिल टावर में जाने से नहीं रोका गया। हालांकि, उसने यह भी कहा कि अगर इस पूरी स्थिति से किसी को किसी तरह की परेशानी या तकलीफ हुई है तो वह उसके लिए दिल से माफी मांगता है।

महिला कर्मचारियों को हटाने के आरोप से शुरू हुआ विवाद : दरअसल, सोमवार को पेरिस का एफिल टावर कुछ समय के लिए बंद रहा। कर्मचारियों ने एक बैठक और विरोध प्रदर्शन किया था। यह विरोध शनिवार को हुए एक दौरे से जुड़ा था, जिसमें करीब 100 लोगों का हिंदू धार्मिक प्रतिनिधिमंडल एफिल टावर पहुंचा था।

आरोप लगाया गया कि प्रतिनिधिमंडल के दौरे के दौरान कुछ महिला कर्मचारियों को उनकी काम की जगह से हटने के लिए कहा गया और उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात किया गया। इस घटना ने कर्मचारियों के बीच नाराजगी पैदा कर दी।

बीएपीएस से जुड़ा था प्रतिनिधिमंडल : शनिवार को एफिल टावर पहुंचा यह प्रतिनिधिमंडल बीएपीएस से जुड़ा हुआ था। यह समूह पेरिस के पास बने एक बड़े हिंदू मंदिर के उद्घाटन से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए फ्रांस आया था। यूनियन प्रतिनिधियों का कहना है कि प्रतिनिधिमंडल के गुजरने के दौरान महिला कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी की जगह छोड़ने के लिए कहा गया। उनकी जगह पुरुष कर्मचारियों को तैनात किए जाने पर यूनियन ने सवाल उठाए और इसे लेकर कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ती गई। यूनियन प्रतिनिधि डायने डावोइन ने कहा कि इस घटना को लेकर कर्मचारियों का गुस्सा धीरे-धीरे बढ़ा और ऐसी स्थिति दोबारा नहीं होनी चाहिए, जिसमें महिलाओं के साथ इस तरह का व्यवहार किया जाए।

कर्मचारियों की बैठक के बाद एफिल टावर खुलने में हुई देरी : सोमवार सुबह कर्मचारियों ने बैठक की। इसका उद्देश्य प्रबंधन के साथ इस मामले पर चर्चा करना और आगे ऐसी स्थिति न बनने की गारंटी हासिल करना था। कर्मचारियों की मांग थी कि भविष्य में किसी महिला कर्मचारी को केवल उसके जेंडर के आधार पर उसकी जिम्मेदारी या काम की जगह से पीछे न किया जाए। बैठक के चलते एफिल टावर को आम लोगों के लिए खोलने में देरी हुई। स्मारक पर एक नोटिस भी लगाया गया, जिसमें बताया गया कि संचालन संबंधी कारणों से एफिल टावर निर्धारित समय पर नहीं खुल पाएगा। यूनियन के मुताबिक, प्रबंधन ने इस घटना को लेकर कर्मचारियों से माफी मांगी है। हालांकि, कर्मचारियों का कहना है कि केवल माफी पर्याप्त नहीं है और पूरे मामले की विस्तृत जांच होनी चाहिए। एफिल टावर का संचालन करने वाली कंपनी सेटे ने भी विवाद पर प्रतिक्रिया दी। कंपनी ने माना कि प्रतिनिधिमंडल की ओर से महिला कर्मचारियों के साथ संपर्क कम रखने की मांग की गई थी। सेटे ने कहा कि इस तरह की शर्तों को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए था।

डलहौजी
के प्रमुख पर्यटन स्थल

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थी, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

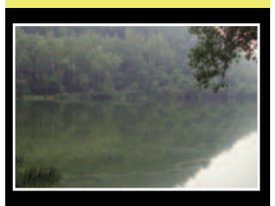

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

सीएम ने पंडित गोविंद बल्लभ पंत की जयंती पर किया उनका भावपूर्ण स्मरण

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने भारत रत्न पं.गोविन्द बल्लभ पंत का उनकी जयंती पर भावपूर्ण स्मरण किया है। पं.गोविन्द बल्लभ पंत जयंती की पूर्व संध्या पर जारी अपने संदेश में मुख्यमंत्री ने उन्हें महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, देशभक्त, समाजसेवी तथा कुशल प्रशासक बताया। उन्होंने कहा कि पंडित पंत प्रखर राजनीतिज्ञ के साथ ही सच्चे देशभक्त भी थे। उनका महान व्यक्तित्व एवं कृतित्व हमारी युवा पीढ़ी के लिये सदैव प्रेरणादायी रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पं. पंत ने देश को नई दिशा देने के साथ ही कुली बेगारी प्रथा तथा जमींदारी उन्मूलन के लिए निर्णायक संघर्ष कर समाज में व्याप्त इन बुराइयों को मिटाने में अहम भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हिन्दी को राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित कराने तथा उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री एवं देश के गृहमंत्री रहते आधुनिक भारत के निर्माण में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। पं. गोविन्द बल्लभ पंत का प्रेरणादायी नेतृत्व देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणादायी रहेगा।

बदहाल सड़कों के बारे में कांग्रेस करेगी आंदोलन

ऋषिकेश। नकरौंदा, गुलरघाटी, कुंवावाला और रायपुर क्षेत्र की बदहाल सड़कों को लेकर कांग्रेस ने नाराजगी जताई। उत्तराखंड कांग्रेस कमेटी के कैंप कार्यालय में आयोजित बैठक में प्रदेश प्रवक्ता प्रमोद कपरूवाण शास्त्री ने कहा कि नथानपुर कांग्रेस कमेटी के साथ मिलकर क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को लेकर चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नकरौंदा रोड, गुलरघाटी रोड, कुंवावाला रोड, तुनवाला–रायपुर रोड और पीली कोठी–रायपुर रोड पिछले पांच वर्षों से बदहाल स्थिति में हैं। इन मार्गों से प्रतिदिन हजारों लोग आवागमन करते हैं, लेकिन सड़क की हालत इतनी खराब है कि लोगों को जान जोखिम में डालकर सफर करना पड़ रहा है। कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सुनील थपलियाल ने कहा कि नगर निगम और संबंधित अधिकारियों को कई बार समस्या से अवगत कराया जा चुका है,

अतिक्रमण कार्रवाई पर विकासनगर में गरमाया माहौल

विकासनगर। अतिक्रमण के खिलाफ चल रही कार्रवाई को लेकर विकासनगर में गत मंगलवार को माहौल गरमा गया। कार्रवाई के दौरान एक महिला ने अपना गुस्सा और दर्द जाहिर करते हुए प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाए। महिला ने कहा कि बाजार में कई जगह अतिक्रमण है, लेकिन कार्रवाई केवल गरीब लोगों के खिलाफ क्यों की जा रही है। उसने भावुक होकर कहा कि यदि रोजी–रोटी ही छिन जाएगी तो उसके बच्चों का पालन–पोषण कैसे होगा।

महिला के विरोध के बाद व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय गुप्ता भी मौके पर अतिक्रमण के खिलाफ चल रही कार्रवाई का विरोध करते नजर आए। उन्होंने व्यापारियों और स्थानीय लोगों की समस्याओं को प्रशासन के सामने रखने की बात कही।

मामला बढ़ता देख विकासनगर विधायक मुन्ना सिंह चौहान ने मौके पर स्थानीय लोगों और नया प्रयास के साथियों से बातचीत की। विधायक ने लोगों की समस्याएं सुनीं और कहा कि वह जनता से जुड़े मामलों में अपनी जिम्मेदारियों से कभी पीछे नहीं हटते। विधायक

ने भरोसा दिलाया कि मामले को समझने और उचित स्तर पर बात रखने का प्रयास किया जाएगा।

हाईवे पर अतिक्रमण को लेकर लोनिवि ने रखा पक्ष

वहीं, हाईवे पर किए गए अतिक्रमण को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग खंड लोनिवि के सहायक अभियंता ने भी अपना पक्ष रखा। विभाग की ओर से हाईवे की भूमि और अतिक्रमण की स्थिति को लेकर कार्रवाई की प्रक्रिया और विभागीय पक्ष स्पष्ट किया गया।

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर जहां प्रशासन और संबंधित विभाग नियमों के तहत कार्रवाई की बात कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर व्यापारी और प्रभावित लोग रोजी–रोटी तथा कारोबार पर पड़ने वाले असर को लेकर अपनी चिंता जता रहे हैं। अब देखने वाली बात होगी कि प्रशासन और व्यापारियों के बीच इस मामले का क्या समाधान निकलता है और कार्रवाई के दौरान प्रभावित लोगों के हितों को लेकर क्या कदम उठाए जाते हैं।

विकास की नई तस्वीर गढ़ रहा राज्य संपत्ति विभाग

देहरादून।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा–निर्देशों के अनुरूप राज्य की सरकारी परिसंपत्तियों को आधुनिक, उपयोगी और पर्यावरण के अनुकूल स्वरूप देने की दिशा में राज्य संपत्ति विभाग ने अपनी कार्ययोजनाओं को गति दी है। सचिव राज्य संपत्ति एवं आवास डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में हुई दो महत्वपूर्ण बैठकों में जहां रुद्रप्रयाग के रतूड़ा में प्रस्तावित भव्य राज्य अतिथि गृह की निर्माण कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई, वहीं देहरादून के रेसकोर्स स्थित ओल्ड ऑफिसर्स कॉलोनी में 48 नए श्रेणी–3 आवासों के निर्माण की योजना पर भी मंथन हुआ। दोनों परियोजनाओं में एक बात समान रूप से सामने आई, सरकारी भवन केवल निर्माण तक सीमित न रहें, बल्कि आधुनिक सुविधाओं, बेहतर डिजाइन, पर्यावरणीय मानकों और दीर्घकालिक उपयोगिता के मॉडल बनें।

रतूड़ा में पहाड़ की जरूरतों के अनुरूप बनेगा राज्य अतिथि गृह

रुद्रप्रयाग के रतूड़ा में बनने वाले राज्य अतिथि गृह के लिए तैयार किए गए 4884.20 लाख यानी करीब 48.84 करोड़ के विस्तृत आगणन की सचिव राज्य संपत्ति विभाग डॉ. आर. राजेश कुमार ने समीक्षा की। प्रस्तावित अतिथि गृह को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में सचिव ने निर्देश दिए कि अतिथि गृह का कॉन्फ्रेंस हॉल आधुनिक सुविधाओं से लैस होना चाहिए। इसमें मजबूत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग व्यवस्था, बड़े आकार के फ्लैट टीवी और अन्य आवश्यक तकनीकी उपकरण उपलब्ध कराए जाएं, ताकि महत्वपूर्ण बैठकों और प्रशासनिक संवाद के लिए आधुनिक सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध हों। इससे पर्वतीय क्षेत्र में स्थित राज्य अतिथि गृह को महज आवासीय सुविधा के बजाय प्रशासनिक एवं संवाद केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा भी मजबूत होगी।

निर्माण में पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी नहीं

रतूड़ा परियोजना में पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। सचिव ने कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के मानकों के अनुरूप निर्माण स्थल की नदी से न्यूनतम 200 मीटर दूरी सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही नियमानुसार प्रमाण–पत्र को अभिलेखों में संलग्न करने के निर्देश दिए गए हैं। यानी परियोजना की भव्यता के साथ पर्यावरणीय सुरक्षा को भी समान प्राथमिकता दी जा रही है।

दिनदहाड़े जल रहीं भानियावाला फ्लाईओवर की स्ट्रीट लाइटें

ऋषिकेश।देहरादून–हरिद्वार फोरलेन मार्ग पर भानियावाला से लच्छीवाला के बीच बने करीब एक किलोमीटर लंबे फ्लाईओवर पर दिन के समय स्ट्रीट लाइटें जलने से बिजली की भारी बर्बादी हो रही है। एक ओर ऊर्जा निगम आम जनता को बिजली बचाने और लोड बढ़ने पर कटौती की नसीहत देता है, वहीं हाईवे पर दिन के उजाले में दर्जनों लाइटों का जलना विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर रहा है। दिन भर लाइटें जलने से अकारण ही कई यूनिट बिजली की खपत हो रही है। दिन में बिजली की इस फिजूलखर्ची के ठीक विपरीत, नुन्नावाला सहित हाईवे के कई अन्य हिस्से ऐसे हैं, जहां रात के समय भी स्ट्रीट लाइटें खराब होने के कारण गहरा अंधेरा पसरा रहता है। स्थानीय सभासद ईश्वर रौथाण ने दिन में लाइटें जलने को घोर लापरवाही बताते हुए संबंधित अधिकारियों से इस फिजूलखर्ची पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है।

दो लोगों को मिला आंदोलनकारी का दर्जा

नई टिहरी। राज्य आंदोलनकारी के रूप में चिह्नीकरण के लिए मिले 28 आवेदनों की जांच के बाद समिति ने दो आवेदनों को मंजूरी दी है। 18 आवेदनों को आवश्यक अभिलेख और जानकारी पूरी होने के बाद आगामी बैठक में पुनर्विचार के लिए रखने का निर्णय लिया गया जबकि पात्रता मानक पूरे न करने वाले आठ आवेदन निरस्त किए गए। जिलाधिकारी नितिका खंडेलवाल की अध्यक्षता में बुधवार को राज्य आंदोलनकारियों के चिह्नीकरण के लिए गठित समिति की बैठक हुई। 28 लोगों ने राज्य आंदोलनकारी चिह्नित करने के लिए आवेदन किया था जिसमें से विधि विहार नई टिहरी निवासी ओम प्रकाश भट्ट, कुजणी पट्टी के ग्राम कुमाली निवासी स्वर्गीय तोता सिंह को सर्वसम्मति से आंदोलनकारी चिह्नित किया गया।वहीं जौनपुर ब्लॉक के धनोल्टी निवासी जगत सिंह, वीरेंद्र सिंह, नई टिहरी के उस्मान समेत आठ आवेदनों को शासनादेश में निर्धारित पात्रता मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर निरस्त किया गया। इसके अलावा कीर्तिनगर ब्लॉक के ग्राम बडोन निवासी सुंदरमणि, नई टिहरी के विक्रम सिंह बिष्ट और विद्या नेगी सहित 18 लंबित प्रकरणों को आवश्यक अभिलेख एवं जानकारी के आधार पर आगामी बैठक में पुनर्विचार के लिए प्रस्तुत करने का निर्णय लिया गया।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।

CONT. 9412081969

PRGI NO. 35469/79

संक्षिप्त समाचार

प्रकृति की पहरेदारी में जुटा झाला, कचरे पर पंचायत ने कसा शिकंजा

उत्तरकाशी। पर्यटन और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध ग्राम पंचायत झाला ने हिमालयी पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम पहल की है। ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में आयोजित ग्राम सभा की बैठक में ग्राम पंचायत झाला ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं स्वच्छता उपविधियां 2026 को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई।

ग्राम प्रधान अभिषेक रौंतेला की अध्यक्षता में हुई बैठक में नई व्यवस्था के तहत घरों के साथ ही दुकानों, होमस्टे, होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में कचरे का स्रोत स्तर पर ही पृथक्करण अनिवार्य होगा। गीले और सूखे कचरे को अलग–अलग रखना होगा। खुले में कचरा फेंकने अथवा प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करने वालों के खिलाफ उपविधियों के अनुसार कार्रवाई और जुर्माना किया जाएगा। प्रधान अभिषेक रौंतेला ने कहा कि झाला प्रमुख पर्यटन स्थल है और यहां बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में भागीरथी घाटी, प्राकृतिक जलस्रोतों और संवेदनशील हिमालयी पारिस्थितिकी को प्रदूषण से बचाना पंचायत की प्राथमिकता है।

उपविधियां उत्तराखंड पंचायती राज अधिनियम–2016 और विभागीय निर्देशों के क्रम में लागू की गई हैं। बता दें कि थैंक यू नेचर अभियान की शुरुआत भी झाला से हुई थी जिसका उल्लेख प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में किया था। बैठक में उपप्रधान विशाल विश्वकर्मा, करण सिंह रौंतेला, प्रकाश रौंतेला, भजन सिंह रावत, शिवेंद्र देवी, सुधा देवी आदि मौजूद रहे।

पहाड़ी व्यंजनों की सुगंध से महका मुनिकीरेती

ऋषिकेश। मुनिकीरेती स्थित स्वामीनारायण आश्रम में मंगलवार को अपनी धरोहर न्यास के तत्वावधान में दो दिवसीय धरोहर संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। पहले दिन उत्तराखंड के पारंपरिक पहाड़ी व्यंजनों की महक और लोक वाद्यों की थाप ने दर्शकों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अहसास कराया। कार्यक्रम में देवभूमि की लुप्त होती परंपराओं के संरक्षण पर जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान मधु असवाल ने उड़द की दाल और सोयाबीन से पहाड़ी बड़ी तैयार करने की पारंपरिक विधि साझा की। वाद्य संस्कृति सत्र में चंद्रबदनी के डॉ. सोहनलाल ने तांबे के ढोल, बूढ़ाकेदार के बचन दास ने चांदी के ढोल और बागेश्वर के मोहन दास व विजय सार ने लकड़ी के ढोल की थाप से समां बांधा। वहीं, अल्मोड़ा के सुंदर दास ने हुड़के पर जागर प्रस्तुत कर लोक परंपरा को जीवंत कर दिया। इस मौके पर ढोल–दमाऊ के निर्माण, वादन तकनीक और सांस्कृतिक महत्व को नई पीढ़ी से साझा करने के साथ ही संस्था की स्मारिका का विमोचन भी किया गया। आयोजन में राज्य महिला आयोग अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, मेयर शंभू पासवान, आरएसएस प्रांत कार्यवाह दिनेश सेमवाल सहित कई गणमान्य मौजूद रहे। वहीं अपनी धरोहर न्यास के अध्यक्ष विजय भट्ट ने बताया कि हमारी संस्था उत्तराखंड के पारंपरिक ढोल–दमाऊ और संस्कृति से जुड़े विभिन्न लोक तत्वों के संरक्षण व संवर्द्धन की दिशा में निरंतर प्रयासरत है।

बढ़ते अतिक्रमण पर नगर पालिका करेगी कार्रवाई

ऋषिकेश। नगर क्षेत्र में बढ़ते अतिक्रमण पर नगर पालिका प्रशासन अब सख्त रुख अपनाने जा रही है। पालिका की ओर से व्यापारियों और अतिक्रमणकारियों को तीन दिनों में स्वयं अतिक्रमण हटाने का अल्टीमेटम दिया गया है। निर्धारित समय के बाद पालिका प्रशासन कार्रवाई शुरू कर देगा। आगामी दिनों में प्रमुख त्योहारों को देखते हुए नगर पालिका प्रशासन पहले से ही व्यवस्था बनाने में जुट गया है। शहर में व्याप्त अतिक्रमण को लेकर पालिका सख्त कदम उठाने की तैयारियां कर रही है। त्योहारों के मौसम में बाजारों में खरीदारी के लिए आने वाले लोगों की भीड़ बढ़ने की संभावना है। ऐसे में दुकानों के बाहर सामान फैलाने, अस्थायी ठेलियों और अन्य तरह के अतिक्रमण से सड़कों और फुटपाथ पर जगह कम हो जाती है।

रहस्यमयी तरीके से लापता रेशमा का 32 दिन बाद भी नहीं लगा सुराग

टिहरी। प्रतापनगर क्षेत्र के जांगी गांव से 6 अगस्त को रहस्यमयी परिस्थितियों में लापता हुई रेशमा बिष्ट का 32 दिन बीत जाने के बाद भी कोई सुराग नहीं लग पाया है। रेशमा की तलाश में पुलिस और ग्रामीण लगातार संभावित स्थानों पर खोजबीन कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है। एक महीने से अधिक समय बीतने के बाद भी रेशमा का पता नहीं चलने से परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

इसी के चलते बुधवार को आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगाकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और ग्रामीणों के बीच काफी देर तक गहमा–गहमी का माहौल बना रहा। लोगों ने रेशमा की जल्द तलाश किए जाने और पुलिस से सर्च अभियान को और व्यापक एवं तेज करने की मांग की।

6 अगस्त को अचानक लापता हुई थी रेशमा

जानकारी के अनुसार प्रतापनगर क्षेत्र के जांगी गांव निवासी रेशमा बिष्ट 6 अगस्त को अचानक लापता हो गई थीं। काफी तलाश के बाद भी जब उनका कोई पता नहीं चला तो परिजनों ने 7 अगस्त को थाना लंबगांव में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए रेशमा की तलाश शुरू की।

परिजनों और ग्रामीणों ने भी चलाया खोज अभियान

पुलिस में शिकायत दर्ज होने के बाद परिजन और ग्रामीण भी अपने स्तर से रेशमा की तलाश में जुट गए। आसपास के क्षेत्रों, जंगलों और संभावित स्थानों पर लगातार खोजबीन की गई, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद रेशमा का कोई सुराग नहीं मिल सका।

रेशमा की तलाश में टिहरी पुलिस ने व्यापक अभियान चलाया। पुलिस टीमों ने जंगलों के साथ–साथ टिहरी झील और जाखणी नदी क्षेत्र में भी खोजबीन की।

सिस्टम ने किया बीमार, निजी अस्पतालों में जांच-दवा के नाम पर हजारों रुपये खर्च होने से मुश्किल बढ़ी

नैनीताल। ज्योलीकोट आज दर्द की घाटी बन गया है। यहां घर–घर में पीलिया ने डेरा डाल रखा है, और इस बीमारी से ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा है इलाज का खर्च। लोगों की आंखों का पीलापन तो दवाओं से उतर भी जाए, पर परिजनों के चेहरे पर चिंता की लकीरें गहरी होती जा रही हैं। सरकारी अस्पताल में सुविधाएं न होने और प्राइवेट में सही इलाज न मिलने से लोग अपना घर, अपना गांव छोड़कर हल्द्वानी, बरेली और दिल्ली तक इलाज के लिए भटकने को मजबूर हैं। कई परिवार तो इलाज करवाकर अपनों को बचाने में कामयाब हुए, लेकिन कुछ परिवार सबकुछ खर्च करके भी अपनों को नहीं बचा पाए। अब वह सिर्फ बेबस होकर अपने हालात को कोस रहे हैं।

भाई–बहन को पीलिया, परिजन परेशान

तल्ला बेलुवाखान निवासी करन कुमार आर्य ने बताया कि उनके सात वर्षीय भतीजे रुद्राक्ष आर्य की अचानक तबीयत बिगड़ गई। 27 अगस्त को उसे एसके नर्सिंग हल्द्वानी में भर्ती कराया। दो दिनों बाद स्थिति बिगड़ने पर उसे बरेली के निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां छह सितंबर तक उसका इलाज चला। रूद्राक्ष के दिमाग तक बुखार चढ़ गया था। अभी उसकी स्थिति में सुधार है, लेकिन दस दिनों बाद दोबारा जांच के लिए ले जाना है। उसके इलाज में करीब दो लाख रुपये तक खर्च आया है।

वहीं अब रूद्राक्ष की चार वर्षीय बहन लक्षिता को भी पीलिया की शिकायत है। उसकी जांच हल्द्वानी में करवाई गई है। परिवार रुपयों के साथ बच्चों की सुरक्षा की चिंता में काफी परेशान है।

परिवार से दूर अस्पताल में एक–एक दिन भारी पड़ता है। हल्द्वानी के सरकारी अस्पतालों में ज्यादा बेहतर सुविधा नहीं हैं इसलिए निजी अस्पतालों में ले जाना पड़ता है।

बीमारी एक को, गरीबी पूरे परिवार को

क्षेत्र में पीलिया सिर्फ मरीज के शरीर को नहीं खोखला कर रहा, पूरे परिवार की कमर तोड़ रहा है। पीड़ितों के परिजनों के कहना है कि एक तो रोजगार पहले से कम, ऊपर से पहाड़ से नीचे आकर इलाज कराना। जांचों के नाम पर हजारों रुपये, दवाइयों के नाम पर हजारों रुपये। जो परिवार महीने का 10–15 हजार कमाता है, वो लाखों का बिल कहां से भरे? सबसे बड़ा दर्द है अपनों से दूरी का। पहाड़ का आदमी अपने घर, अपने लोगों के बिना रह नहीं पाता। लेकिन अस्पताल की मजबूरी ने पिता को बेटी से, पति को पत्नी से सैकड़ों किलोमीटर दूर कर दिया है। फोन पर सिर्फ एक ही बात होती है पैसे और भेज दो।

जिले के अलग–अलग अस्पतालों में चल रहा इलाज ज्योलीकोट क्षेत्र के कई लोग अभी भी अस्पतालों में भर्ती हैं।

कंडार देवता मंदिर के पीछे डेंजर बैंड बन रहा खतरा

उत्तरकाशी। जसपुर–सिल्याण–निराकोट संपर्क मार्ग पर जसपुर में कंडार देवता मंदिर के पीछे स्थित डेंजर बैंड हर बरसात में दरक कर आसपास के गांवों के लिए खतरा बन रहा है। क्षेत्र पंचायत सदस्य श्रुति बलूनी ने जिलाधिकारी को ज्ञापन देकर इस खतरनाक हिस्से का स्थायी उपचार कराने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि बारिश के दौरान पहाड़ का बड़ा हिस्सा दरक कर मांडों गदेरे में गिरता है। मलबा जमा होने से गदेरे का पानी अपना रुख बदलकर बस्ती की ओर आने लगता है जिससे लोगों की सुरक्षा को खतरा बना रहता है। वहीं सिल्याण गांव के ऊपर जमीन धंसने की स्थिति भी चिंता बढ़ा रही है। क्षेत्र पंचायत सदस्य का कहना है कि विभाग की ओर से हर साल जेसीबी से मलबा हटाने और अस्थायी सुरक्षा उपाय किए जाते हैं लेकिन बारिश के साथ समस्या फिर खड़ी हो जाती है। उन्होंने अस्थायी कार्य के बजाय बैंड का पक्का और तकनीकी रूप से मजबूत उपचार कराने या पहाड़ को काटकर मार्ग को सुरक्षित बनाने का सुझाव दिया है।

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता / चतुर्थ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय सामने अंकित हैं। जो उसी दिन 16:00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैंकर चेक डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	166-DRM-MB-26-27 Date-08.09.2026	184-DRM-MB-26-27 Date-08.09.2026
कार्य का नाम	Conducting "Continuous Scour Monitoring" of foundations using SONAR based echo range technology by Echo Range Smart sensor or similar equipment of bridge no. 1248 on MB-SRE section.	Provision of infrastructural facilities, monitoring mechanisms, FOIS/TMS and facilities for merchants at Pathri goods shed.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	01.10.2026	01.10.2026
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00
अनुमानित लागत	79,67,691.54	3,41,60,789.63
धरोहर राशि	1,59,400.00	6,83,200.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	03 Months	06 Months
बिडिंग आरंभ तिथि	17.09.2026	17.09.2026

टेन्डर नं.-Sr. DEN-I/Publication/26-27 दिनांक-08.09.2026 3100/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

मुरादाबाद मंडल से शुरू होने वाली ट्रेनों के 12 एस.एल.आर

गाड़ी सं0 19610 (R-I), 12402 (R-I), 14314 (R-I), 22918 (F-I), 19032 (F-I, R-I), 14236 (F-I), 18478 (F-I), 14310 (F-I), 14320 (F-I), 12912 (F-I), 14318 (F-I) के पार्सल स्पेस को लीज पर 3 साल की अवधि के लिए देने हेतु ई–नीलामी के तहत दिनांक 23.09.2026 (Timings: 11:00 am) को बोली के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें www.ireps.gov.in वेबसाइट पर ही उपलब्ध हैं। 3121/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी

मुरादाबाद मंडल के बरेली स्टेशन पर निर्गत पार्सल शेड के पास दोपहिया वाहनों की पैकिंग और अन्य पार्सल पैकिंग सेवा के लिए अनुबंध 03 साल हेतु ई–नीलामी के तहत दिनांक 23.09.2026 टाइम 10:30 am को बोली www.ireps.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाएंगी।

इसके लिए विस्तृत नियम और शर्तें वेबसाइट पर ही उपलब्ध हैं।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3120/2026

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

Tender Notice- SNT-SigLC-Interlocking-MB Date : 07.09.2026

वरिष्ठ मण्डल संकेत एवं दूरसंचार अभि. / उत्तर रेलवे, मुरादाबाद, कृते एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यो के लिए खुली निविदा ई–टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमन्त्रित करते हैं।

सं.	निविदा संख्या और कार्य का विवरण	लगभग लागत रुपये	अग्रिम धन रुपये	निविदा फॉर्म की लागत रु.	निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने के लिए अंतिम तिथि और समय
1	SNT-SigLC-Interlocking-MB इंटरलॉकिंग ऑफ़ एल सी गेट्स टी यू वी>20000 इन दा सेक्शन ऑफ़ एडीएसटी/मुरादाबाद ऑफ मुरादाबाद डिवीजन	79493467.37	1589900.00	Nil	30.09.2026 15:00

नोटः– निविदा के पूरा विवरण www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है। 3088/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एशियन गेम्स में पारंपरिक नीली जर्सी में खेलेंगे खिलाड़ी

फिर बदला भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग

नई दिल्ली। विश्व कप से पहले जर्सी का रंग बदलकर नारंगी करने को लेकर मचे बवाल के बाद अब आगामी एशियाई खेलों में भारतीय हॉकी टीमें अपनी पारंपरिक नीली जर्सी में नजर आएंगी। मीडिया सूत्रों ने हॉकी इंडिया अध्यक्ष दिलीप टिर्की के हवाले से लिखा, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने टीम किट के रंगों को लेकर विकल्प दिए थे।

इसके बाद हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम की जर्सी के लिए नीले रंग को पहली पसंद बनाया। नारंगी रंग दूसरी पसंद है। दिलीप टिर्की ने एशियाई खेलों में हिस्सा लेने जा रहे खिलाड़ियों के लिए आयोजित विदाई समारोह से इतर कहा, ''मैंने विश्व कप से पहले भी कहा था कि टीम जर्सी का नारंगी रंग स्थायी नहीं है। इसे भविष्य में बदला भी जा सकता है। अब एशियाई खेलों में नीला रंग वापस आ गया है। टीम नीली जर्सी में खेलेगी।''

हाल ही में नीदरलैंड्स और बेल्जियम में हुए विश्व कप से ठीक पहले भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग पारंपरिक नीले से बदलकर नारंगी किये जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया था। मामले ने राजनीतिक मोड़ भी ले लिया था जब विपक्ष ने इस पर केंद्र सरकार को निशाना बनाया था।

विवाद तब और बढ़ गया था जब दिलीप टिर्की ने प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा था कि उनकी या कार्यकारी बोर्ड की जानकारी के बिना जर्सी का रंग बदलने का फैसला लिया गया था। जर्सी का रंग बदलने के पीछे तर्क दिया गया था

कि नीली टर्फ पर नीले रंग की जर्सी में खेलने से दिक्कत आती है।

उस समय भी पूर्व कप्तान वीरेन रासकिन्हा, परगट सिंह, धनराज पिल्लै, अजित पाल सिंह समेत कई दिग्गजों ने इस फैसले पर सवाल उठाए थे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम विश्व कप में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद आठवें स्थान पर रही, जबकि महिला टीम ने पांचवां स्थान हासिल किया जो 1974 के बाद उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम जापान रवाना

भारतीय महिला हॉकी टीम जापान के आइची-नागोया में होने वाले 20वें एशियन गेम्स के लिए रवाना हो गई। कप्तान सलीमा टेटे और कोच शोर्ड मारिन नेतृत्व में भारतीय टीम मंगलवार आठ सितंबर 2026 को बेंगलुरु से रवाना हुई। एफआईएच के लॉस एंजिल्स 2028 क्वालिफिकेशन सिस्टम के तहत, 2026 एशियन गेम्स में महिला हॉकी कॉम्पिटिशन में सबसे ऊपर रहने वाली टीम लॉस एंजिल्स 2028 के लिए ओलंपिक कोटा हासिल करेगी, बशर्ते उसने पहले किसी दूसरे रास्ते से क्वालिफाई नहीं किया हो। भारतीय टीम का मुख्य लक्ष्य स्वर्ण पदक हासिल करना और लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक के लिए सीधे क्वालिफाई करना होगा।

एशियन गेम्स के लिए 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम

गोलकीपर : सविता, बिचू देवी खारीबम।
डिफेंडर : इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, लालथंतलुआंगी, ज्योति, शिल्पी डबास।
मिडफील्डर : निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनीता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, दीपिका सोरेंग।
फॉरवर्ड : लालरेमसियामी, रुतुजा दादासो पिसल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग।

सार-समाचार

आईसीसी टी20 रैंकिंग

श्री चरणी शीर्ष पर बरकरार, दीप्ति शर्मा को फायदा

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा मंगलवार को जारी टी20 गेंदबाजों की सूची में भारत की बाएं हाथ की स्पिनर शीर्ष क्रम पर बरकरार हैं। वहीं, अनुभवी दीप्ति शर्मा को फायदा हुआ है। ताजा रैंकिंग में श्री चरणी पहले, इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन दूसरे, इंग्लैंड की चार्ली डीन तीसरे, दक्षिण अफ्रीका की एन मल्बा चौथे और इंग्लैंड की लॉरेन बेल पांचवें स्थान पर हैं। भारत की अनुभवी स्पिनर दीप्ति शर्मा को दो स्थान का फायदा

हुआ है। दीप्ति अब छठे स्थान पर चली गई हैं। दीप्ति मौजूदा एशिया कप में शानदार फॉर्म में हैं, उन्होंने तीन मैचों में आठ विकेट लिए हैं और भारतीय टीम को सेमीफाइनल में भारत की बढ़त में अहम भूमिका निभाई है। इंग्लैंड की लिंसे स्मिथ एक स्थान के नुकसान के साथ सातवें है, और पाकिस्तान की नशरा संधु एक स्थान की नुकसान के साथ आठवें नंबर पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की मारिजेन कैप को एक स्थान का फायदा हुआ है। वह नौवें नंबर पर हैं। पाकिस्तान की सादिया इकबाल एक स्थान के नुकसान के साथ दसवें स्थान पर हैं। इसके अलावा, एशिया कप में शानदार प्रदर्शन कर रही कुछ अन्य गेंदबाजों को भी आईसीसी रैंकिंग में फायदा मिला है।

विमेंस एशिया कप

आईसीसी ने पाक बल्लेबाज पर जुर्माना लगाया

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 में हांगकांग, चीन के खिलाफ सोमवार को खेले गए मुकाबले के दौरान आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन करने पर पाकिस्तानी बल्लेबाज गुल फिरोजा को सजा भुगतनी पड़ी है। उन पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही फिरोजा के खाते में एक डिमेरिट प्वाइंट जोड़ा गया। यह घटना पाकिस्तानी पारी के 5वें ओवर की है, जब फिरोजा को एलबीडब्ल्यू आउट

करार दिया गया। इसके बाद फिरोजा ने अपने बल्ले की ओर इशारा करके फैसले पर असहमति जताई। फिरोजा ने बताया कि गेंद उनके बल्ले के किनारे से लगी थी।

गुल फिरोजा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया, जिसमें अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताना शामिल है। यह फिरोजा का 24 महीनों की अवधि में दूसरा अनुशासनात्मक अपराध है।

बैलनडी'ओर 2026

पीएसजी और आर्सेनल समेत ये 5 क्लब 'मेंस क्लब ऑफ द ईयर' के लिए नामित

नई दिल्ली। पेरिस सेंट-जर्मेन, आर्सेनल, बायर्न म्यूनिख, नॉर्वेजियन क्लब बोडो/ग्लिम्ट समेत ब्राजीलयन क्लब फ्लेमिंगो को बैलन डी'ओर 2026 पुरस्कार में 'मेंस क्लब ऑफ द ईयर' अवॉर्ड के लिए नामित किया गया है। 'पीएसजी' इस अवॉर्ड के मौजूदा विजेता के तौर पर रेस में शामिल है। उन्होंने

एक शानदार सीजन में अपना दूसरा चैंपियंस लीग टाइटल जीता था। उनका घरेलू और इंटरनेशनल कैंपेन भी बहुत सफल रहा, जिसमें लीग 1, फ्रेंच सुपर कप, यूरोपियन सुपर कप और इंटरकॉन्टिनेंटल कप जीते। पेरिस का यह क्लब यूरोप के टॉप क्लबों में से एक के तौर पर अपनी पहचान बनाने के बाद इस सम्मान को बरकरार रखने की उम्मीद करेगा। प्रीमियर लीग टाइटल के लिए लंबे इंतजार को खत्म करने के बाद 'आर्सेनल' भी 5 नामित टीम में शामिल है। 'गनर्स' ने 22 साल बाद इंग्लिश चैंपियनशिप जीती और यूरोप में भी आगे बढ़कर एक मजबूत कैंपेन पूरा किया।

जर्मनी में एक और शानदार सीजन के बाद 'बायर्न म्यूनिख' शॉर्टलिस्ट में शामिल हुआ है। इस बड़े क्लब ने बुंडेसलीगा, जर्मन कप और जर्मन सुपर कप जीते, जिससे घरेलू स्तर पर उनका दबदबा साबित हुआ।

बेन शेल्टन ने किया बड़ा उलटफेर

यूएस ओपन: क्वार्टर फाइनल मुकाबले में अल्काराज को हराया

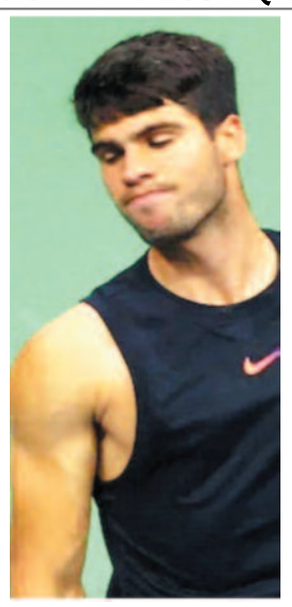

नई दिल्ली। बेन शेल्टन ने बुधवार को यूएस ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर किया। रोमांच से भरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में शेल्टन ने मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज को 6-7(5), 6-1, 6-3, 1-6, 7-6(10/7) से हराकर टूर्नामेंट से बाहर का रास्ता दिखाया। शेल्टन ने चार घंटे 28 मिनट तक चले इस मुकाबले में अपने करियर की सबसे बड़ी जीत के साथ ही मेजर टूर्नामेंट्स में स्पेनिश खिलाड़ी की लगातार 18 जीत का सिलसिला भी तोड़ दिया। यह मैच यूएस ओपन के इतिहास का सबसे देर तक चलने वाला मुकाबला रहा। मैच के आखिर में बेन शेल्टन ने 146 मील प्रति घंटे की रफ्तार से ऐस सर्विस लगाकर अपनी जीत पक्की की। इससे पहले सबसे देर से खत्म होने वाले मैच का रिकॉर्ड कार्लोस अल्काराज के नाम था। दो साल पहले उन्होंने क्वार्टर फाइनल में यानिक सिनर को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में हराया था। मॉन्ट्रियल में अपना दूसरा एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले बेन शेल्टन ने अल्काराज को हराकर पहली बार हार्ड कोर्ट मेजर टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। कार्लोस अल्काराज चोट के कारण करीब चार महीने बाद किसी बड़े टूर्नामेंट में खेल रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया और क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के दौरान सिर्फ एक सेट गंवाया था। हालांकि, बेन शेल्टन ने उनका खिताब का बचाव करने का अभियान रोक दिया।

अल्काराज इस बार अपना आठवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने और यूएस ओपन का खिताब लगातार दूसरी बार जीतने की कोशिश कर रहे थे। अगर वह ऐसा कर लेते, तो रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन ट्रॉफी सफलतापूर्वक बचाने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बन जाते। यह स्पेनिश खिलाड़ी अपना आठवां मेजर खिताब जीतने और रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन का खिताब बचाने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहा था।

अल्काराज मेजर टूर्नामेंट्स में लगातार 18 जीत के सिलसिले के साथ क्वार्टर फाइनल मुकाबले में उतरे थे। यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था, जिसमें 2025 यूएस ओपन की जीत और इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीतना शामिल था। ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर वे करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे युवा पुरुष खिलाड़ी बने थे। शेल्टन अब सेमीफाइनल में 11वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस टियाफो का सामना करेंगे। दोनों खिलाड़ी अपने पहले मेजर फाइनल में पहुंचने की कोशिश करेंगे। टियाफो के साथ मुकाबलों में शेल्टन 3-1 से आगे हैं। दोनों के बीच अब तक चार मुकाबले हुए हैं, जिनमें से दो यूएस ओपन के हार्ड कोर्ट पर खेले गए हैं। 2023 में क्वार्टर फाइनल मुकाबला शेल्टन ने जीता था, जबकि 2024 में तीसरे दौर के मुकाबले में टियाफो ने जीत दर्ज की थी।

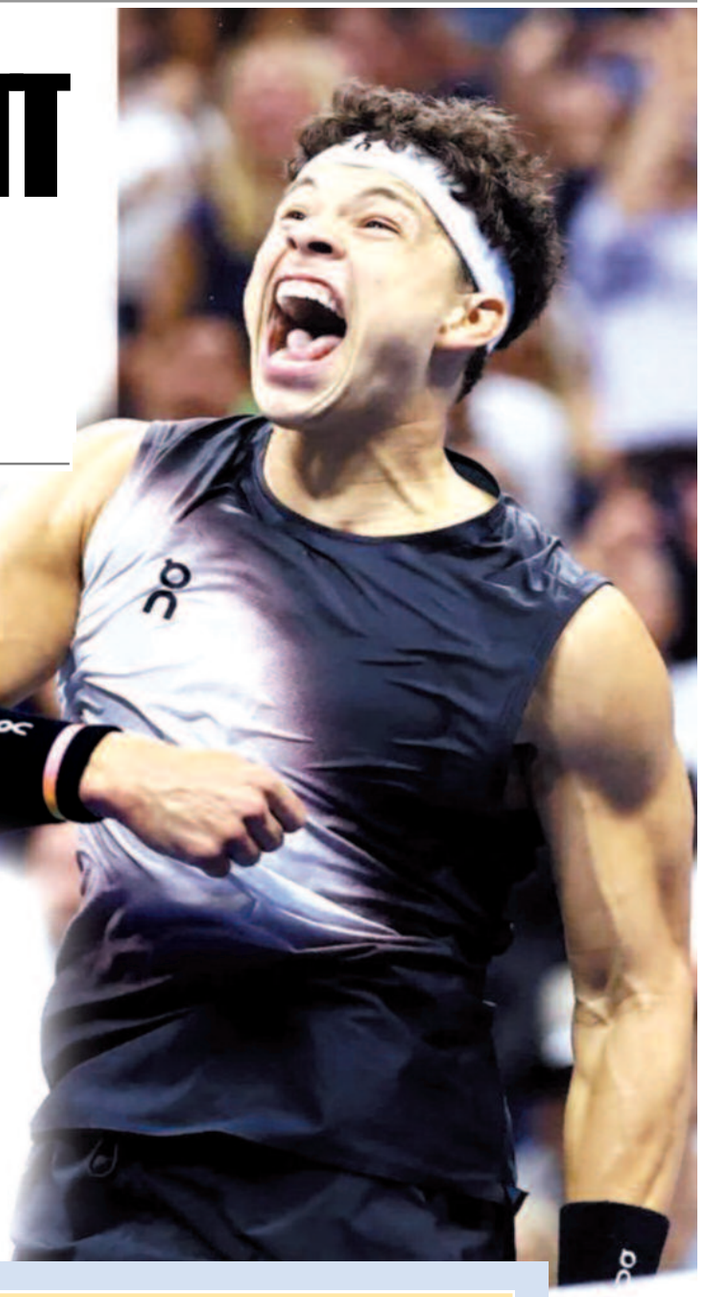

फ्रांसेस टियाफो सेमीफाइनल में, शुरुआत 2 सेट में हार के बाद एलेक्स मिशेलसन को हराया

न्यूयॉर्क। अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो ने हमवतन एलेक्स मिशेलसन को हराकर यूएस ओपन 2026 के एकल वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। टियाफो ने दो सेट गंवाने के बाद यादगार वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया और अंतिम चार में जगह सुनिश्चित की। टियाफो तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। ग्यारहवीं सीड टियाफो को शुरुआत के दो सेट में दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी मिशेलसन ने हराया। टियाफो तीसरे सेट में भी 5-3 से पिछड़ रहे थे। ऐसा लग रहा था कि टियाफो मौजूदा टूर्नामेंट का अपना करिश्मा खो रहे हैं, लेकिन उसी समय उन्होंने वापसी की। उन्होंने न सिर्फ तीसरा सेट जीता, बल्कि मुकाबला भी अपने नाम किया।

टियाफो ने 10-पॉइंट के टाई-ब्रेक में जीत हासिल की और 4 घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले को 5-7 3-6 7-5 6-3 7-6 (10-6) से अपने नाम किया। इस दौरान टियाफो को भीड़ का जोरदार समर्थन मिला। 22 साल के मिशेलसन अपना पहला क्वार्टर फाइनल खेल रहे थे। विजयी शुरुआत के बाद मिली हार ने उन्हें बेहद निराश कर दिया था। मैच समाप्ति के बाद मिशेलसन अपने आंसू नहीं रोक सके और टियाफो के गले लगकर रोने लगे। टियाफो ने कहा, 'वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। वह आसानी से जीत सकता था। एलेक्स मिशेलसन को सलाम।' सेमीफाइनल में जगह बनाने के बाद टियाफो ने पहली बार फाइनल में पहुंचने की उम्मीद जताई।

फाईव स्टार होटल में नहीं रुकेंगे भारतीय क्रिकेटर

BCCI बोला- खिलाड़ी व्यवस्था से संतुष्ट

नई दिल्ली। जापान में होने वाले आगामी एशियाई खेलों में हिस्सा लेने वाले भारतीय क्रिकेटर आयोजन समिति की ओर से तय आवास में ही ठहरेंगे। क्रिकेटरों को विदेशी दौरों पर आमतौर पर मिलने वाले पांच सितारा होटलों जैसी सुविधाएं नहीं मिलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मंगलवार (8 सितंबर) को यह जानकारी दी। शुक्ला ने कहा कि नागोया में शीर्ष श्रेणी के होटलों की कमी के कारण क्रिकेटरों के ठहरने को लेकर सवाल उठे थे, लेकिन आवास को लेकर कोई बड़ी समस्या नहीं है और बीसीसीआई तथा खिलाड़ी मौजूदा व्यवस्था से संतुष्ट हैं।

भारतीय दल के विदाई समारोह के दौरान शुक्ला ने कहा, 'आयोजक जो सुविधा दे रहे हैं, हम वहीं ठहर रहे हैं। हम लगातार यह देख रहे हैं कि खिलाड़ियों को किस तरह का आवास दिया जा रहा है, ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी न हो। निश्चित तौर पर यह पांच सितारा नहीं है लेकिन अच्छा और आरामदायक आवास है। क्रिकेटरों के लिए जो आवास तय किये गये हैं, उसकी तस्वीरें और वीडियो हमने मंगवाए हैं। मुझे लगता है कि यह आरामदायक है।

आवास से जुड़ी समस्या हल हो गई: पीटी उषा

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने भी कहा कि आवास से जुड़ी समस्या का समाधान कर लिया गया है। उषा ने कहा, 'कोई समस्या नहीं है। हमने होटल पहले ही बुक कर लिए हैं। हम हर खिलाड़ी के लिए अलग से होटल का कमरा बुक नहीं कर सकते, क्योंकि वहां खिलाड़ियों के गांव जैसी व्यवस्था नहीं है। आयोजक जहाज और छोटे विला जैसी आवास सुविधाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं।'

क्रिकेटरों के आवास की व्यवस्था किसने की-
क्रिकेटरों के आवास की व्यवस्था किसने की यह पूछे जाने पर शुक्ला ने कहा, 'इसकी व्यवस्था भारतीय ओलंपिक संघ, एशियाई खेल आयोजन समिति और जापान क्रिकेट संघ मिलकर कर रहे हैं।' उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम की तैयारियों के बारे में पूछे जाने पर कहा, 'भारत निश्चित तौर पर वहां अच्छा प्रदर्शन करेगा। भारतीय टीम 22 सितंबर को पहली बार जापान के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच (सुजुकी कप) खेलेगी। यह जापान में होने वाला पहला मैच होगा।

एसीसी व्यवस्थाओं से संतुष्ट- शुक्ला ने आवास के मुद्दे को ज्यादा तवज्जो नहीं देते हुए कहा कि असली चिंता मैदान, पिच और ड्रेसिंग रूम की स्थिति को लेकर थी। उन्होंने बताया कि एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की टीम नागोया का दौरा कर चुकी है और वहां की व्यवस्थाओं से संतुष्ट है।

महिला एशिया कप: यूएई को हरा सेमीफाइनल में पहुंचा बांग्लादेश

भारत से मुकाबला आज

नई दिल्ली। महिला एशिया कप 2026 के 12वें मैच में मंगलवार (8 सितंबर) को बांग्लादेश ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 34 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। पहले सेमीफाइनल में गुरुवार (10 सितंबर) को उसका सामना भारत से होगा। दूसरा सेमीफाइनल पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच 11 सितंबर को होगा। दोनों सेमीफाइनल के विजेताओं के बीच रविवार (13 सितंबर) को खेला जाएगा। ग्रुप ए में भारत पहले और पाकिस्तान दूसरे नंबर पर रहा। ग्रुप बी में श्रीलंका पहले और बांग्लादेश दूसरे नंबर पर रहा। यूएई ने टॉस जीतकर बांग्लादेश के खिलाफ गेंदबाजी का फैसला किया। बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 103 रन ही बना पाई। शर्मिन अख्तर ने 31 गेंद पर 38 रनों की पारीखेली। कप्तान निगार सुल्ताना ने 28 गेंद पर 23 रन बनाए। जुआरिया फिरदौस ने और नाहिदा अख्तर ने 16-16 रन बनाए।

यूएई 69 पर आउट

यूएई के लिए सुरक्षा कोटे ने 3 विकेट लिए। इंधुजा नंदकुमार ने 2 विकेट लिए अचार्य सुप्रिया और जननी थिरुककुमारन ने 1-1 विकेट लिए। यूएई की टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 69 रन ही बना पाई। हीना होतचंदानी ने सबसे ज्यादा 18 रन बनाए। तीर्थ सतीश ने 11 रन बनाए।

राबेया खान ने 3 विकेट लिए

मेहुल प्रणव कुलकर्णी ने नाबद 9, समायरा धरनीधरका ने 8, जननी थिरुककुमारन ने 6, रिनिथा रजिथ ने 5, इंधुजा नंदकुमार ने 3, ईशा ओजा ने 2 और सुरक्षा कोटे ने 1 रन बनाए। बांग्लादेश के लिए राबेया खान ने 3, नाहिदा अख्तर और मरुफा अख्तर ने 2-2 विकेट लिए। सुल्ताना खातून और फहिमा खातून ने 1-1 विकेट लिए।